बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल...

शेखावाटी मिशन-100

हिन्दी साहित्य

कक्षा-12

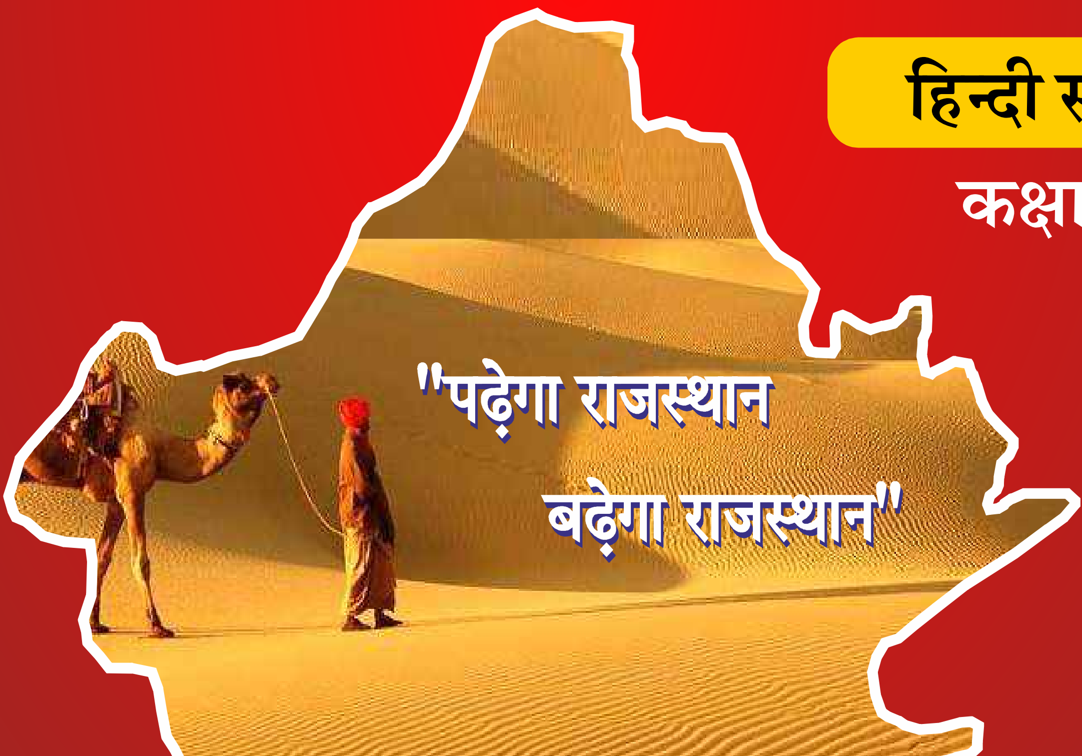

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)
प्रभारी : शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

: missionshekhawati100@gmail.com | 9413361111, 9828336296

टीम शेखावाटी मिशन-100

संतोष कुमार महर्षि
संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चुरु संभाग
चुरु (राज.)

रामचन्द्र पिलानियां
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
सीकर (राज.)

पितराम सिंह काला
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनूं (राज.)

मनोज कुमार ढ़ाका
जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनूं (राज.)

निसार अहमद खान
जिला शिक्षा अधिकारी
चुरु (राज.)

महेन्द्र सिंह बड़सरा
सहायक निदेशक (स.शै.प्र.)
कार्यालय संयुक्त निदेशक, चुरु

हरदयाल सिंह फगेड़िया
अति.जिला शिक्षा अधिकारी (शै.प्र.)
सीकर (राज.)

रामचन्द्र सिंह बगड़िया
अति.जिला शिक्षा अधिकारी
सीकर (राज.)

नीरज सिहाग
अति.जिला शिक्षा अधिकारी (शै.प्र.)
झुन्झुनूं (राज.)

सांवरमल गहनोलिया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (शै.प्र.)
चुरु (राज.)

महेश सेवदा
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

रामावतार भदाला
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

तकीनीकी सहयोग

राजीव कुमार, निजी सहायक | पवन ढाका, कनिष्ठ सहायक | महेन्द्र सिंह कोक, सहा. प्रशा. अधिकारी | अभिषेक चाैधरी, कनिष्ठ सहायक | दीपेन्द्र, कनिष्ठ सहायक

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), सीकर

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

शेखावाटी मिशन-100

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्यक्रम सत्र : 2021-2022

उच्च माध्यमिक परीक्षा - 2022

विषय : सामाजिक विज्ञान-10

सर्वश्रेष्ठ सफलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वश्रेष्ठ संकलन

रोहिताश थालौड़
संयोजक सामाजिक विज्ञान
रा.मा.वि.,सांवलोदा लाड़खानी (सीकर)

सुरेन्द्र सेवदा
रा.उ.प्रा.वि., भगतपुरा (सीकर)

महेन्द्र सिंह
रा.उ.मा.वि., गोठड़ा तगेलान (सीकर)

सुरेन्द्र सेवदा
रा.उ.प्रा.वि., भगतपुरा (सीकर)

मनोज कुमार भंवरिया
रा.उ.मा.वि., नेछवा

विनोद कुमारी
रा.उ.मा.वि., घस्सु माधोपुरा (सीकर)

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

प्रश्न–पत्र की योजना

कक्षा – **10वीं.**
विषय – सामाजिक विज्ञान
अवधि – 2 घण्टे 45 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	28	35%
2.	अवबोध	32	40%
3.	अभिव्यक्ति/ज्ञानोपयोग	16	10%
4.	मौलिकता/कौशल	04	05%
	योग	80	100%

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक प्रतिशत	प्रतिशत प्रश्नों का	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	12+6= 18	1	18	36	17
2.	अतिलघूत्तरात्मक	12	1	12	24	15
3.	लघूत्तरात्मक– I	13	2	26	26	31
4.	लघूत्तरात्मक – II	04	3	12	8	35
5.	निबंधात्मक	03	4	12	6	67
	योग	50		80	100	165

विकल्प योजना : आन्तरिक

विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	7	8.75
2	भारत में राष्ट्रवाद	7	8.75
3	भूमण्डलीकृत विश्व का बनना	6	7.50
4	संसाधन एवं विकास	4	5.00
5	वन्य एवंवन्य जीव संसाधन	4	5.00
6	जल संसाधन	4	5.00
7	कृषि	4	5.00
8	खनिज एवं उर्जा संसाधन	4	5.00
9	सत्ता की साझेदारी	4	5.00
10	संघवाद	4	5.00
11	लोकतन्त्र और विविधता	3	3.75
12	जाति, संघर्ष और लैंगिक मामले	5	6.25
13	जल संघर्ष और आन्दोलन	4	5.00
14	विकास	5	6.25
15	भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	5	6.25
16	मुद्रा और साख	5	6.25
17	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	5	6.25

कक्षा — 10 विषय :— सामाजिक विज्ञान पूर्णांक — 80

क्र.स.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति					कौशल/मौलिकता					योग
		वस्तुनिष्ठ	अतिलघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	अतिलघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	अतिलघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	अतिलघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	
1	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय			2(1)	3(1)		1(1)					1(1)										7(4)
2	भारत में राष्ट्रवाद	1(1)		2(1)							4(1)*											7(3)
3	भूमण्डलीकृत विश्व का बनना	1(1)						1(1)	2(1)			1(1)	1(1)									6(5)
4	संसाधन एवं विकास			2(1)			2(2)															4(3)
5	वन्य एवंवन्य जीव संसाधन	2(2)							2(1)													4(3)
6	जल संसाधन												1(1)		3(1)*							4(2)
7	कृषि		1(1)				1(1)		2(1)													4(3)
8	खनिज एवं ऊर्जा संसाधन																				4(1)*	4(1)
9	सत्ता की साझेदारी	1(1)	1(1)	2(1)																		4(3)
10	संघवाद			2(1)			1(1)	1(1)														4(3)
11	लोकतन्त्र और विविधता		1(1)											2(1)								3(2)
12	जाति, संघर्ष और लैंगिक मामले							2(2)							3(1)*							5(3)
13	जल संघर्ष और आन्दोलन										4(1)*											4(1)
14	विकास	1(1)		2(1)			1(1)	1(1)														5(4)
15	भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	1(1)					1(1)		2(1)				1(1)									5(4)
16	मुद्रा और साख								2(1)						3(1)							5(2)
17	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	2(2)	1(1)						2(1)													5(4)
		9(9)	4(4)	12(6)	3(1)		7(7)	5(5)	12(6)		8(2)	2(2)	3(3)	2(1)	9(3)						4(1)	80(50)

विकल्पों की योजना :— प्र.सं. 17 से 23 में एक आंतरिक विकल्प है नोट— कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

Sponsored by AAYAAM CAREER ACADEMY, Sikar (Raj.)

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

कक्षा–10 (भूगोल)

पाठ – 1 संसाधन एवं विकास

अंक – 4

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 अंक (2 प्रश्न)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. मृदा अपरदन का प्राकृतिक कारक नहीं है?
   (a) पवन | (b) हिमनद
   (c) जल | (d) खनन | Ans (d)
2. नवीकरणीय संसाधन नहीं है
   (a) पवन ऊर्जा | (b) वन
   (c) वन्य जीव | (d) लौह धातु | Ans (d)
3. भूमि निम्नीकरण की समस्या को सुलझाया जा सकता है
   (a) वनारोपण द्वारा | (b) रेतीले टीलों पर कांटेदार झाड़िया लगाकर
   (c) नियंत्रित पशुचारण | (d) उपर्युक्त सभी | Ans (d)
4. कपास मृदा/रेगुर मृदा के नाम से जानी जाती है?
   (a) लाल पीली मृदा | (b) काली मृदा
   (c) लेटराइट मृदा | (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं | Ans (b)
5. मृदा अपरदन को रोका जा सकता है –
   (a) समोच्च जुताई | (b) पट्टी कृषि
   (c) सोपानी कृषि | (d) उपर्युक्त सभी | Ans (d)
6. वे संसाधन जो किसी प्रदेश में विध्यमान होते है परन्तु उपयोग नहीं किया गया हो, कहलाते है –
   (a) विकसित संसाधन | (b) संचित संसाधन
   (c) संभावी संसाधन | (d) भण्डारित संसाधन | Ans (c)
7. नवीन जलोढ मृदा क्षेत्र कहलाते है–
   (a) खादर | (b) बागर
   (c) तराई | (d) भाबर | Ans (a)
8. सतत् पोषणीय विकास के लिए पृथ्वी सम्मेलन किया गया।
   (a) वांशिगटन में | (b) रियो डी जेनेरियो में
   (c) नई दिल्ली में | (d) पेरिस में | Ans (b)

शेखावाटी मिशन-100

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. पुरानी जलोढ़ मृदा को ...... कहते है। (खादर/बागर)
2. भारत में राष्ट्रीय वन नीति (1952) के अनुसार .... प्रतिशत भाग पर वन होने चाहिए। (25%/33%)
3. कपास की खेती के लिए .... उपयुक्त होती है। (काली मृदा/लेटराइट मृदा)
4. जहां एक वर्ष या उससे कम समय से खेती न की गई हो .... कहते है। (परती भूमि/कृषि भूमि)
5. मृदा की ऊपरी परत जल के साथ बह जाती है उसे .... कहते है। (चादर अपरदन/अवनालिका अपरदन)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संसाधन क्या हैं?

उ. पर्यावरण की प्रत्येक वस्तु जो प्रकृति प्रदत्त एवं मानव निर्मित हो और मनुष्य जीवन में उपयोग होती है संसाधन कहलाती है।

2. समाध्यता के आधार पर संसाधनों के प्रकार उदाहरण सहित लिखिये।

उ. 1. नवीकरण योग्य संसाधन – सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल, वन

2. अनवीकरण योग्य संसाधन – जीवाश्म ईंधन, धातुएं।

3. सतत पोषणीय विकास क्या है?

उ. पर्यावरण को बिना नुकसान पहुचाएं वर्तमान विकास की प्रक्रिया जारी रखते हुए भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखना ही सतत पोषणीय विकास कहलाता है।

4. भूमि निम्नीकरण की समस्याओं के सुलझाने के कोई दो उपाय लिखो।

उ. 1. वनारोपण 2. चरागाहों का उचित प्रबंधन

5. मृदा अपरदन रोकने के कोई दो उपाय लिखिए।

उ. 1. समोच्च जुताई

2. सीढ़ीदार कृषि

3. पट्टी कृषि

4. फसलों के बीच घास पेट्टिया लगाना।

6. मृदा संरक्षण क्यों आवश्यक है?

उ. मृदा की उर्वरा क्षमता बनाये रखने एवं फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए मृदा संरक्षण आवश्यक है।

7. जलोढ मृदा उपजाऊ होती है क्यों?

उ. जलोढ मृदा में पोटाश, फास्फोरस व चुना की मात्रा अधिक तथा हयूमस की मात्रा पायी जाती है जो फसल के लिए उपयुक्त होती है।

8. एजेंडा–21 क्या हैं?

उ. भूमण्डलीय सतत पोषणीय विका प्राप्त करने के लिए रियो डि जेनेरियो सम्मेलन में शामिल 21 किस्म ही एजेंडा 21 है।

9. जैव व अजैव संसाधन में अंतर लिखिए।

उ. जीव मण्डल से प्राप्त संसाधन जैव संसाध है। उदा. – वनस्पति, कृषि।

निर्जीव वस्तुओं से प्राप्त संसाधन अजैव संसाधन हैं उदा. – धातुएं, पवन, मृदा

10. संसाधन संरक्षण क्या है?

उ. संसाधन सीमित है, इनका संमुचित उपयोग करते हुए भविष्य के लिए बचा कर रखना ही संसाधन सरंक्षण है।

शेखावाटी मिशन–100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

कक्षा–10

पाठ – 2 वन एवं वन्यजीव संसाधन

अंक – 4

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 (2 अंक)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 (2 अंक)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का कितना प्रतिशत वन क्षेत्र है–
   (a) 24.56% (b) 18.16%
   (c) 33% (d) 45% Ans (a)
2. भारतीय वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम लागू किया गया था?
   (a) 1980 (b) 1972
   (c) 1988 (d) 1952 Ans (b)
3. बाघ संरक्षण परियोजना शुरु की गई।
   (a) 1983 (b) 1970
   (c) 1973 (d) 1995 Ans (c)
4. सरिस्का बाघ रिजर्व किस राज्य में है?
   (a) हरियाणा (b) मध्यप्रदेश
   (c) केरल (d) राजस्थान Ans (d)
5. चिपको आन्दोलन की शुरुआत कौनसे राज्य से हुई?
   (a) उत्तरप्रदेश (b) राजस्थान
   (c) उत्तराखण्ड (d) मध्यप्रदेश Ans (c)
6. संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम की शुरुआत किस वर्ष हुई?
   (a) 1970 (b) 1988
   (c) 2002 (d) 1956 Ans (b)
7. स्थायी वनों के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्र किस राज्य का है?
   (a) मध्यप्रदेश (b) मिजोरम
   (c) उड़ीसा (d) राजस्थान Ans (a)
8. वे जातियों जो लुप्त होने के कगार पर हो कहलाती है?
   (a) दुर्लभ जातियां (b) सुभेद्य जातियां
   (c) संकटग्रस्त जातियां (d) स्थानिक जातियां Ans (c)

शेखावाटी मिशन-100

9. भारत के कितने प्रतिशत भाग पर सघन वन है?
   (a) 33.%   (b) 9%
   (c) 12.4%   (d) 24%   Ans (c)
10. भैरोंदेव डाकव सेंचुरी राजस्थान के कौनसे जिले में है?
   (a) जयपुर   (b) सीकर
   (c) जोधपुर   (d) अलवर   Ans (d)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. उत्तर–पूर्वी भारत में स्थानान्तरित कृषि को .... कहते है।
2. किसी क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के जीव जन्तु व पेड़ पौधों की प्रजातियों .... विविधता कहते है।
3. IUCN द्वारा निर्धारित संकटग्रस्त जातियों का उल्लेख .... पुस्तक में किया जाता है।
4. वन्य जीवों के संरक्षण के लिए केन्द्र सरकार ने .... घोषित किये गये है।
5. राजस्थान का राज्य पक्षी .... है।
6. हिमालय यव वृक्ष भारत के .... राज्यों में पाया जाता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मिलान कीजिए –

उद्यान	राज्य
जीव कार्बेट उद्यान	राजस्थान
सुन्दरवन राष्ट्रीय उद्यान	उत्तराखण्ड
बाघवगढ़ राष्ट्राय उद्यान	प. बंगाल
सरिस्का वन्य जीव पशुविहार	मध्यप्रदेश

2. जैव विविधता को परिभाषित कीजिए।
उ. किसी क्षेत्र विशेष में पाये जाने वाले जीव जन्तुओं तथा पैड़–पौधो की विविधता को जैव विविधता कहते है।
3. IUCN का पूरा नाम लिखो।
उ. अन्तर्राष्ट्रीय प्राकृतिक संरक्षण और संसाधन संरक्षण संघ।
4. भारत में वन्य जीव संरक्षण के उपया लिखो।
उ. (i) जैव मण्डल आरक्षित क्षेत्र घोषित करना।
   (ii) राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण घोषित करना।
5. प्रबंधन के आधार पर भारत में वनों के प्रकार लिखो।
उ. 1. आरक्षित वन
   2. रक्षित वन
   3. अवर्गीकृत वन
6. जैव विविधता मानव के क्यों उपयोगी हैं?
उ. प्रकृति में खाद्य जाल व खाद्य श्रृंखला को सुचारु रखने के लिए जैव विविधता अति आवश्यक है।

शुरुवाती मिशन-100

7. बाघ परियोजना पर टिप्पणी लिखिये।

उ. भारत में बाघों की निरन्तर गिरती संख्या को बचाने के लिए 1973 में बाघ संरक्षण परियोजना लागू की गई जिसके तहत बाघ रिजर्व घोषित किये गये है।

8. रेड डाटा पुस्तक क्या है?

उ. संकटग्रस्त प्रजातियों का उल्लेख करने के लिए IUCN द्वारा जारी की जाने वाली पुस्तक है।

9. वन और वन्य जीव संरक्षण क्यों आवश्यक है?

उ. इनके संरक्षण से पारिस्थितिकी विविधता बनी रहती है तथा हमारे जीवन साध्य संसाधन जल, वायु व मृदा बने रहते है। इसके संरक्षण से विविध प्रजातियों का आवास स्थायी रहता है जिससे जैव विविधता बनी रहती है।

10. वन्य प्राणियों की संकटग्रस्त प्रजातियों के बचाने के उपाय लिखो।

उ. संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाने के लिए संरक्षण परियोजना बनाई जाये तथा इसके संरक्षण के लिए जैव मण्डल आरक्षित क्षेत्र, राष्ट्रीय अभाव व अभ्यारण घोषित किये जाये।

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

कक्षा–10

पाठ – 3 जल संसाधन

अंक – 4

अंक विभाजन –

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 (1 अंक)

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न – 1 (3 अंक)

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जवाहर लाल नेहरू ने बांधों को क्या कहां?

उ. आधुनिक भारत के मंदिर।

2. बाढ़ रोकने का मुख्य उपाय है?

उ. बांध निर्माण।

3. बहुउद्देशीय परियोजनायें क्या हैं?

उ. अनेक उद्देश्यों के लिए बनाए गये बांध।

4. सरदार सरोवर परियोजना कितने राज्यों की सम्मिलित परियोजना हैं?

उ. 4 (महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात तथा राजस्थान)

5. बांध क्या है?

उ. जल संरक्षण और प्रबंधन का साधन।

6. राजस्थान में जल संरक्षण के कोई चार स्रोत लिखिये।

उ. खडीन, जोहड़, टांका, टोबा।

7. बॉस ड्रिप प्रणाली क्या है?

उ. मेघालय राज्य में नदियों एवं झरनों के पानी को एकत्रित करने की प्राचीन प्रणाली है।

8. टांका क्या है?

उ. पश्चिमी राजस्थान में वर्षा जल संग्रहित करने के लिए घरों में बनाया गया भूमिगत टैंक टांका कहलाता है।

9. अन्तर्राज्यीय जल विवाद क्या है?

उ. नदी जल बंटवारे के लिए दो या दो से अधिक राज्यों के मध्य विवाद अन्तर्राज्यीय जल विवाद है।

10. नर्मदा बचाओ आन्दोलन क्या है?

उ. नर्मदा बचाओं आन्दोलन एक गैर सरकारी संगठन है जो गुजरात राज्य में नर्मदा नदी पर बने सरदार सरोवर बांध के विरोध में लामबंध है।

11. सतलज व्यास नदी पर जलविद्युत उत्पादन एवं सिंचाई के लिए कौनसी परियोजना बनाई गयी है?

उ. भाखड़ा नागल परियोजना।

12. टिहरी बांध परियोजना कौनसे राज्य व कौनसी नदी पर स्थित है?

उ. उत्तराखण्ड राज्य में भागीरथी नदी पर।

शेखावाटी मिशन-100

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न –

1. बहुउद्देशीय नदी परियोजनाओं पर टिप्पणी लिखिए।

उ. नदी जल द्वारा उत्पन्न बाढ़ एवं नदी के पानी का उचित उपयोग करने के लिए विभिन्न नदियों पर बांध बनाकर परियोजना शुरु की गई। इन परियोजना के उद्देश्य यथा – जल विद्युत उत्पादन, सिंचाई, पेयजल, मछली पालन, सरदार सरोवर परियोजना, हीरा कुण्ड परियोजना, दामोदर घाटी परियोजना, चम्बल परियोजना, माही परियोजना इत्यादि।

2. राजस्थान में वर्षा जल संरक्षण क्यों आवश्यक है?

उ. राजस्थान का आधे से ज्यादा भाग मरूस्थलीय क्षेत्र में है जहां वर्षा की मात्रा अति न्यून है और भूमिगत जल अत्यधिक गहरा होने के कारण जल की कमी है कई जिलों में भूमिगत जल अत्यधिक लवणीय होने के कारण पीने योग्य नहीं है अतः जल की कमी को देखते हुए राजस्थान में जल संरक्षण की अति आवश्यकता है।

3. आपकी राय में बांध हमारे लिए किस प्रकार से उपयोगी है?

उ. (i) बांध जल संरक्षण का प्रमुख साधन है।
(ii) बांध बनाकर बाढ़ नियंत्रण किया जा सकता है।
(iii) बांधों के द्वारा सिंचाई जल की आपूर्ति की जा सकती है।
(iv) बांधों द्वारा जल विद्युत उत्पादन किया जा सकता है।
(v) बांधों द्वारा पेय जल आपूर्ति की जा सकती है।
(vi) उपर्युक्त के अलावा बांधों पर पर्यटन, मछली पालन, नौ संचालन इत्यादि कार्य किये जा सकते है।

4. बहुउद्देशीय परियोजना के लाभ व हानियां क्या है?

उ. लाभ – बहुउद्देशीय परियोजना के द्वारा जल संरक्षण, बाढ़ नियंत्रण, जल विद्युत उत्पादन, मत्स्य पालन, पर्यटन, नौ संचालन इत्यादि उद्देश्यों की पूर्ति की जा सकती है।

हानि – जैव विविधता की हानि, बांध निर्माण के कारण भूकम्प की संभावना, परियोजना क्षेत्र में रहने वाले मानव बस्तियों के विस्थापन की समस्या।

5. भाखड़ा नागल परियोजना पर टिप्पणी लिखिए।

उ. यह एक बहुउद्देशीय परियोजना है इस परियोजना का निर्माण सतलज और व्यास नदी के संगम स्थन पर किया गया है। इस परियोजना के जल विद्युत उत्पादन एवं सिंचाई कार्य किया जाता हैं यह परियोजना पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान की संयुक्त परियोजना है। इस परियोजना द्वारा पेयजल आपूर्ति भी की जाती है।

6. सरदार सरोवर बांध परियोजना के बारे में आप क्या जानते हैं?

उ. गुजरात राज्य में नर्मदा नदी पर निर्मित एक बहुउद्देशी परियोजना है इस परियोजना द्वारा विद्युत उत्पादन, सिंचाई व पेयजल आपूर्ति की जाती है। यह परियोजना राजस्थान, महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश की संयुक्त परियोजना है।

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

कक्षा–10

पाठ – 4 कृषि

अंक – 4

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 1 (1 अंक)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 (1 अंक)

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न – 1 (2 अंक)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. झूम कृषि (स्थानान्तरित कृषि) भारत के किन राज्यों में की जाती है?
   (a) उ. पूर्व राज्यों में (b) दक्षिणी राज्यों में
   (c) उत्तरी राज्यों में (d) मध्य भारत में Ans (a)
2. निम्न में से खरीफ की फसल नहीं है?
   (a) मक्का (b) मुंगफली
   (c) चना (d) सोयाबीन Ans (c)
3. बाजरा उत्पादन सबसे ज्यादा कौनसे राज्य में होता हैं?
   (a) गुजरात (b) मध्यप्रदेश
   (c) उत्तरप्रदेश (d) राजस्थान Ans (d)
4. चाय उत्पादन में भारत का स्थान हैं–
   (a) पहला (b) दुसरा
   (c) तीसरा (d) चौथा Ans (b)
5. रेशेदार फसल नहीं है –
   (a) कपास (b) जूट
   (c) सन (d) चाय Ans (d)
6. दक्षिण पूर्वी राजस्थान में स्थानान्तरित कृषि (दहन कर्तन प्रणाली) को कहते है–
   (a) दीपा (b) झूम
   (c) वालरा (d) लदांग Ans (c)
7. निम्न में से रोपण कृषि का उदाहरण नहीं है –
   (a) कॉफी (b) रबड़
   (c) गेहूं (d) केला Ans (c)
8. भारत के पूर्वी तटीय राज्यों में उगाई जाने वाली मुख्य फसल है –
   (a) चावल (b) गेंहूं
   (c) बाजरा (d) मक्का Ans (a)

शेखावाटी मिशन-100

9. श्वेत क्रांति संबंधित है –
(a) गेहूं उत्पादन से (b) अण्डा उत्पादन से
(c) दुध उत्पादन से (d) मछली उत्पादन से Ans (c)

10. भारत में गेहूं का उत्पादन सबसे ज्यादा किस राज्य में होता है –
(a) राजस्थान (b) पंजाब
(c) उत्तरप्रदेश (d) हरियाणा Ans (c)

11. गेंहू की फसल के लिए वार्षिक वर्षा की आवश्यकता है –
(a) 100–200 सेमी (b) 10–20 सेमी
(c) 75–100 सेमी (d) 50–75 सेमी Ans (d)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. चाय एक .... जलवायु पौधा है। (उष्ण कटिबंधीय / शीर्षबंधीय)
2. इण्डोनेशिया में कर्तन दहन प्रणाली कृषि को .... से जाना जाता है। (दीपा / लदांग)
3. भारत की मुख्य खाद्य फसल .... है। (चावल / मक्का)
4. रागी .... प्रदेशों की फसल है। (शुष्क / आर्द्र)
5. भारत में कॉफी की .... किस्म की पैदा की जाती है।
6. किसानों के लाभ के लिए भारत सरकार ने .... योजना शुरु की। (क्रेडिट कार्ड / डेबिट कार्ड योजना)
7. भारती अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद में कृषि के योगदान का अनुपात लगातार .... रहा है। (बढ़ / घट)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत की प्रमुख रेशेदार फसलों के नाम बताइये।
उ. कपास, जूट, सन और प्राकृतिक रेशम।
2. भारत में प्रमुख दाल उत्पादक राज्यों के नाम बताइये।
उ. मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश।
3. चाय उत्पादक राज्यों के नाम लिखिए।
उ. असम, पश्चिमी बंगाल, कर्नाटक, केरल।
4. जूट का क्या उपयोग है?
उ. जूट से बोरियां, चट्टाई, रस्सी, तंतु, गलीचे आदि बनाये जाते है।
5. किसान पोर्टल वेबसाइट क्या है?
उ. भारत सरकार द्वारा किसानों के लिए कृषि, बागवानी, कृषि योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए शुरु की गई योजना है।
6. भूदान क्या है?
उ. जमींदार द्वारा भूमिहीन किसानों को भूमि दान करना ही भूदान है।
7. रक्तहीन क्रांति के बारे में आप क्ा जानते है?
उ. विनोबा भावे द्वारा शुरु किये गये भूदान–ग्रामदान आन्दोलन को रक्तहीन क्रांति के नाम से जाना जाता है।
8. कर्तन दहन प्रणाली कृषि का है?
उ. इस प्रकार की कृषि में जंगलों के पेड़–पौधों को काटकर एवं जलाकर साफकर फसल उत्पादन किया जाता हैं

शेखावाटी मिशन-100

9. फसल आवर्तन के बारे में आप क्या जानते है?

उ. प्रत्येक वर्ष फसल को बदल–बदल कर बौना फसल आवर्तन कहलाता है।

10. स्वतंत्रता के पश्चात भारत में कृषि संबंधी संस्थागत सुधार कौन से हुये?

उ. चकबंदी, सहकारिता, जमींदारी प्रथा समाप्त।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मिलान कीजिए –

स्थानान्तरित कृषि का नाम	देश
मिल्पा	ब्राजील
रे	वियतनाम
लदांग	अमेरिका
रोका	इण्डोनेशिया

2. रोपण कृषि की क्या विशेषताएं है?

उ. यह एक प्रकार की वाणिज्यिक खेती है इसके लम्बे चौड़े क्षेत्र में एक ही फसल के पौधे लगाये जात है। इसमें पहले एक जगह पौध ा तैयार की जाती है तथा उसके बाद उनको उचित दूरी पर रोपण किया जाता है। इस कृषि में अत्यधिक पूंजी व श्रमिकों की आवश्यकता होती है। भारत में चाय, कॉफी, रबड़, गन्ना आदि रोपण कृषि द्वारा उत्पादित करते है।

3. भारत में कृषि सुधार के क्या–क्या प्रयास किं गये।

उ. भारत मे 1960–70 के दशक में कृषि सुधारों की शुरुआत हुई। 1966–67 में हरित क्रांति कृषि सुधार का व्यापक प्रयास रहा है। किसानों के लाभ के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना शुरु की गई। भारतीय कृषि अनुसंधा की स्थापना की गई। कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई।

4. हरित कृषि के लाभ व हानियां के बारे में आप क्या जानते है। लिखिए।

उ. हरित क्रांति के लाभ –

(i) भारत में खाद्यान्न की समस्या खत्म।

(ii) फसल उत्पाद में वृद्धि।

(iii) किसानों को अधिक उपज के कारण आर्थिक लाभ।

(iv) चारे की कमी दूर।

हानियां –

(i) हरित क्रांति के दौरान रसायनों के अधिक प्रयोग से प्रदूषण।

(ii) जैव विविधता का विनाश।

(iii) भूमि निम्नीकरण की समस्या।

(iv) क्षेत्रीय असमानता में बढ़ोतरी।

5. चावल एवं गेंहू की फसल/खेती के लिए उपयुक्त भौगोलिक परिस्थितियों का वर्णन करो।

उ.

	चावल	गेंहू
ताप	15-25ºC के लगभग	15-15ºC के लगभग
वर्षा	100-200 सेमी वर्षा	75-100 सेमी वर्षा

शेखावाटी मिशन-100

मिट्टी	जलोढ़ या डेल्टाई मिट्टी	दोमट मिट्टी
वितरण	तटीय मैदानी क्षेत्र	उत्तर भारत का विशाल मैदान

6. भारत की सकल घरेलू उत्पाद में कृषि योगदान का अनुपात घर रहा है क्यों?

उ. भारत एक विकासशील देशों की श्रेणी में आता है भारत की 65 प्रतिशत जनसंख्या आज भी कृषि तथा कृषि से संबंधित कार्यो में लगी हुई है विज्ञा प्रौद्योगिकी एवं बढ़ते हुए तकनीकी ज्ञान के कारण लोगों का कृषि के प्रति रुझान कम होता जा रहा है। दुसरी ओर भारती कृषि मानसून का बजट है कृषि सुधारों की कमी, वर्षा की अनियमितता आदि के कारण कृषि उत्पाद में वृद्धि अन्य क्षेत्रों की बजाय कम है यही कारण है कि GDP में कृषि का योगदान कम हो रहा है।

7. किसानों के लाभ के लिए सरकार के प्रयास क्या–क्या है?

उ. (i) भारत सरकार द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना।

(ii) व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना।

(iii) आकाशवाणी व दुरदर्शन के माध्यम से किसानों को मौसम की जानकारी।

(iv) फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करना।

(v) फसल बीमा योजना की शुरुआत।

(vi) कृषि उपकरणों पर सब्सिडी प्रदान करना।

शेखावाटी मिशन–100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

कक्षा–10

पाठ – 5 मानचित्र

अंक – 4

मानचित्र प्रश्न – 1 (4)

1. भारत के मानचित्र में निम्न खनिजों के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र अंकित कीजिए। [1+1+1+1] = 4

   (i) लौह अयस्क - ▭

   (ii) अभ्रक - ⊗

   (iii) बॉक्साइट - △

   (iv) मैगनीज - ■

2. भारत के मानचित्र में कोयला खनन क्षेत्र अंकित कीजिए। [1+1+1+1] = 4

   (i) रानीगंज (ii) नेवेली

   (iii) नाहरकटिया (iv) मंगला

3. भारत के मानचित्र में पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र दर्शाइये। [1+1+1+1] = 4

   (i) डिगबोई (ii) मुम्बई हाई

   (iii) बाड़मेर (iv) सलाया

4. भारत के मानचित्र में निम्न स्थाों को अंकित करें। (आण्विक ऊर्जा संयंत्र)

   (i) तारापुर

   (ii) रावतभाटा

   (iii) नरोरा

   (iv) कलपक्कम

5. भारत के मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए। (तापीय ऊर्जा संयंत्र)

   (i) सतपुड़ा

   (ii) बरौनी

   (iii) नेवेली

   (iv) ट्रॉम्बे

6. भारत के मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए। [1+1+1+1] = 4

   (i) गोआ

   (ii) झारखण्ड

   (iii) कर्नाटक

   (iv) राजस्थान

7. भारत के मानचित्र में निम्न तेल परिशोधन शालाओं को अंकित कीजिए।

   (i) सलाया (ii) मथुरा

   (iii) पचपदरा (iv) डिगबोई

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

कक्षा–10 (इतिहास)

भारत और समकालीन विश्व–2

पाठ – 1 यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

अंक – 7

अंक विभाजन –
वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 अंक (2 प्रश्न)
लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)
दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न – 3 अंक (1 प्रश्न)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. राष्ट्रवाद की सर्वप्रथम अभिव्यक्ति किस क्रांति के तहत हुई?
   (a) फ्रांस की क्रांति (b) अमेरिका की क्रांति
   (c) रूस की क्रांति (d) ब्रिटेन की क्रांति Ans (a)
2. वियना शांति सम्मेलन कब आयोजित किया गया ?
   (a) 1819 में (b) 1821 में
   (c) 1815 में (d) 1814 में Ans (c)
3. 39 राज्यों के जर्मन परिसघं का गठन किसके द्वारा किया गया?
   (a) लुई सोलहवां (b) नेपोलियन
   (c) वाल्तेयर (d) हिटलर Ans (b)
4. वियना सम्मेलन का अध्यक्ष कौन था?
   (a) मेत्सिनी (b) गेरीबाल्डी
   (c) कावूर (d) मेटरनिख Ans (d)
5. फ्रांसिसी क्रांति के समय फ्रांस में किस राजवंश का शासन था?
   (a) बुर्बो (b) हैप्सबर्ग
   (c) रोमेनोव (d) हान Ans (a)
6. कार्बोनरी नामक गुप्त संगठन का सदस्य इनमें से कौन था?
   (a) ज्युसेपी मेत्सिनी (b) मेजिनी
   (c) इमैनुएल द्वितीय (d) गेरीबाल्डी Ans (a)
7. जर्मनी के एकीकरण का श्रेय किसे दिया जाता है?
   (a) विलियम प्रथम (b) बिस्मार्क
   (c) कावूर (d) नेपोलियन Ans (b)
8. किस देश का नारी का प्रतीक रूपक मरीआन था?
   (a) चीन (b) भारत
   (c) रूस (d) फ्रांस Ans (d)

शेखावाटी मिशन-100

9. एकीकृत इटली का सम्राट किसे घोषित किया गया?

(a) इमैनुएल द्वितीय (b) फ्रेडरिक विलियम चतुर्थ

(c) कावूर (d) मैजिनी Ans (a)

10. जॉलवेराइन संघ का गठन कब किा गया?

(a) 1836 (b) 1834

(c) 1840 (d) 1844 Ans (b)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. किस संधि के तहत यूनान को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा दिया गया?

उ. 1832 की कुस्तुनतुनिया की संधि

2. किसने कहा था कि ''जब फ्रांस छीकता है तो बाकी यूरोप को सर्दी–जुकाम हो जाता है?

उ. आस्ट्रिया के चांसलर मेटरनिख ने।

3. फ्रांसिसी क्रांति की रूपक मारीऑन के प्रतिक चिह्न थे?

उ. लाल टोपी, तिरंगा, कलंगी।

4. किसने कहा कि ''सच्ची जर्मन संस्कृति उसके आम लोगों में निहित थी।''

उ. जर्मन दार्शकि योहान गोटफ्रीड।

5. ज्युसेपी मेत्सिनी द्वारा गठित संगठनों के नाम बताइएं?

उ. यंग इटली व यंग यूरोप।

6. फ्रांस की क्रांति का नारा था?

उ. स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व।

7. फ्रांसिसी क्रांति के प्रतीक चिह्न टुटी हुई बेड़ियों का अर्थ था?

उ. स्वतंत्रता

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. वियना सम्मेलन सन् ...... में आयोजित किया गया। (1815)

2. जर्मन ससंद का नाम .... था। (राइखस्टैग)

3. जर्मन राष्ट्र का रूपक .... थी। (जर्मनिया)

4. स्वतंत्र जर्मनी का सम्राट .... को घोषित किया गया। (विलियम प्रथम)

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. नेपोलियन द्वारा लागू की गई नागरिक संहिता के प्रमुख प्रावधान क्या थे?

उ. नेपोलियन द्वारा लागू की गई नागरिक संहिता के प्रमुख प्रावधान निम्न थे –

(i) जन्म आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिये।

(ii) कानून के समक्ष समानता।

(iii) संपति के अधिकार को सुरक्षित करना।

शैक्षणिक मिशन-100

2. जॉलवेराइन संघ से आप क्या समझते है?

उ. जॉलवेराइन 1834 मे प्रशा के नेतृत्व में गठित किया गया एक शुल्क संघ था जिसमें अधिकांश जर्मन राज्य सम्मिलित थे।

3. रूमानिवाद क्या है?

उ. रूमानिवाद एक ऐसा सांस्कृतिक आंदोल था जो एक खास तरह की राष्ट्रीय भावना का विकास करना चाहता था तथा इसने तर्क–वितर्क और विज्ञान के महिमामंडन की आलोचना की।

4. स्कॉटलैण्ड का यूनाइटेड किंगडम में किस प्रकार विलय किया गया? स्पष्ट कीजिए।

उ. एक्ट ऑफ यूनियन समझौते के तहत यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का गठन हुआ। जिसके तहत इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड पर प्रभूत्व जमा लिया तथा स्कॉटलैंड की राजनीतिक संस्थाओं को योजनाबद्ध तरीके से दबा दिया गया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. वियना संधि के प्रमुख प्रावधान क्या थे?

उ. विया संधि के प्रमुख प्रावधान निम्म थे –

(i) बुर्बो वंश की सत्ता को पुनः बहाल करना।

(ii) नेपोलियन के अधिकार वाले प्रदेशों को फ्रांस से वापिस लेना।

(iii) फ्रांस के साम्राज्य विस्तार पर रोक लगाना।

(iv) 39 राज्यों के जर्मन परिसंघ को बनाए रखना।

(v) यूरोप में एक नयी व्यवस्था स्थापित करना।

(vi) नेपोलियन के शासन के दौरान हुए समस्त परिवर्तनों को समाप्त करना।

2. इटली के एकीकरण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

उ. (i) प्रारम्भ में इटली हैब्सबर्ग साम्राज्य के अंतर्गत अनेक छोटे–छोटे राज्यों में बंटा हुआ था।

(ii) 1830 के दशक में मेत्सिनी ने यंग इटली नामक गुप्त संगठन का निर्माण करके एकीकृत इटली के निर्माण के लिये एक कार्ययोजना का गठन किया।

(iii) 1831 और 1848 के विद्रोहों के असफल होने के बाद इटली के एकीकरण का दायित्व विक्टर इमेनुएल द्वितीय के हाथों में आ गया।

(iv) कावूर ने फ्रांस और सार्डीनिया–पीडमांट के मध्य कूटनीतिक संधि सम्पन्न करवायी।

(v) 1859 में आस्ट्रिया को पराजित करने के बाद 1861 में इमेनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का सम्राट घोषित किया गया।

(vi) 1870 में इटली ने रोम पर अधिकार कर लिया। इस प्रकार इटली का एकीकरण पूर्ण हुआ।

3. जर्मनी का एकीकरण किस प्रकार हुआ? स्पष्ट कीजिए।

उ. (i) जर्मनी के एकीकरण का नेतृत्व प्रशा ने किया।

(ii) बिस्मार्क जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया का जनक था।

(iii) सात वर्ष के दौरान ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस से तीन युद्धों में प्रशा को जीत मिली।

(iv) 1871 में वर्साय में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया तथा जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया पूर्ण हुई।

शिक्षा मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

कक्षा–10

पाठ – 2 भारत में राष्ट्रवाद

अंक – 7

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)

निबंधात्मक प्रश्न – 4 अंक (1 प्रश्न)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत कब लौटे?
   (a) 1915 (b) 1916
   (c) 1917 (d) 1919 Ans (a)
2. महात्मा गांधी ने चंपारण व खेड़ा सत्याग्रह कब किये?
   (a) 1919 (b) 1920
   (c) 1917 (d) 1916 Ans (c)
3. जलियावाला बाग हत्याकांड कब घटित हुआ?
   (a) 13 अप्रेल 1919 (b) 7 मार्च 1920
   (c) 10 फरवरी 1917 (d) 9 सितम्बर 1921 Ans (a)
4. खिलाफत समिति का गठन किसके द्वारा किया गया?
   (a) महात्मा गांधी (b) जवाहरलाल नेहरू
   (c) सरदार पटेल (d) मोहम्मद अली व शौकत अली Ans (d)
5. कांग्रेस के किस अधिवेशन में असहयोग आंदोलन शुरू करने की स्वीकृति प्रदान की गई–
   (a) नागपुर अधिवेशन (b) पूना अधिवेशन
   (c) कलकता अधिवेशन (d) बम्बई अधिवेशन Ans (a)
6. हिंद स्वराज नामक पुस्तक की रचना किसके द्वारा की गयी?
   (a) अम्बेडकर (b) लाला लाजपतराय
   (c) सुभाषचंद्र बोस (d) महात्मा गांधी Ans (d)
7. स्वराज पार्टी का गठन किसके द्वारा किया गया?
   (a) सी.आर. रास व मोतीलाल नेहरू (b) अम्बेडकर व जिन्ना
   (c) बोस व नेहरू (d) गांधी व पटेल Ans (a)
8. कांग्रेस के किस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की मांग की गई थी?
   (a) कानपुर अधिवेशन (b) लाहौर अधिवेशन
   (c) सुरत अधिवेशन (d) बम्बई अधिवेशन Ans (b)

शेखावाटी मिशन-100

9. गांधीजी ने किस स्थान से नमक कानून तोड़कर सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया?
   (a) साबरमती (b) दांडी
   (c) कच्छ (d) सौराष्ट्र Ans (b)

10. महात्मा गांधी व अम्बेडकर के मध्य सम्पन्न वह कौनसा समझौता था जिसके तहत दलित वर्ग को प्रांतीय व केन्द्रीय विधान परिषदों में आरक्षित सीटे प्रदान की गई?
   (a) पूना पैक्ट (b) लखनऊ पैक्ट
   (c) गांधी व इरविन पैक्ट (d) दलित पैक्ट Ans (a)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. वन्देमातरम गीत ...... द्वारा लिखा गया। (बंकिमचन्द्र चट्टोपाधाय)
2. भारत माता की विख्यात छवि को .... के द्वारा चित्रित किया गया। (अवनीन्द्रनाथ टैगोर)
3. .... ने अछुतो को हरिजन कहकर पुकारा। (महात्मा गांधी)
4. दुसरा गोलमेज सम्मेलन सन् .... में सम्पन्न हुआ। (1932)
5. .... घटना के बाद गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापिस लेने का निर्णय लिया। (चोरी–चौरा कांड)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गांधीजी ने अपनी 11 सूत्री मांगे किस वायसराय को सौंपी?

उ. इरविन को।

2. साइमन कमीशन के विरोध का क्या कारण था?

उ. क्योंकि इसमें एक भी भारतीय सदस्य शामिल नहीं था।

3. चौरी–चौरा कांड कहां घटित हुआ था?

उ. गोरखपुर।

4. किस एक्ट के तहत चाय के बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बागान से बाहर जाने की ईजाजत नहीं थी?

उ. इनलैंड इमिग्रेशन एक्ट।

5. असहयोग आंदोलन के दौरान किस स्थान पर गुरिल्ला आंदोलन चला?

उ. आंध्रप्रदेश की गुडेम पहाड़ियों में।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सत्याग्रह से आप क्या समझते है?

उ. सत्याग्रह का अर्थ है – सत्य की शक्ति पर आग्रह अर्थात यदि आपका उद्देश्य सच्चा है तो अन्याय का प्रतिरोध करने के लिये आपको किसी शारीरिक बल की आवश्यकता नहीं हो सत्याग्रही केवल अंहिसा के सहारे ही अपने संघर्ष में सफल हो सकता है।

2. भारतीयों द्वारा रॉलट एक्ट का विरोध क्यों किया गया?

उ. इस एक्ट के तहत सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने और राजनीतिक कैदियो को दो साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया था।

शिक्षावाटी मिशन-100

3. गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापिस लेने का निर्णय क्यों लिया?

उ. फरवरी 1922 में उग्र भीड़ ने गोरखपुर के चौरी–चौरा नामक स्थान पर एक पुलिस स्टेशन को आग लगा दी जिसमें कई पुलिसकर्मी जलकर मर गये। अतः गांधीजी ने आंदोलन को अहिंसक होता देखकर इसे बंद कर दिया।

4. साइमन कमीशन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए?

उ. ब्रिटेन की टोरी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में भारत की संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करने के लिए एक आयोग का गठन किया। लेकिन एक भी भारती सदस्य नहीं होने के कारण ''साइमन कमीशन वापिस जाओ'' के नारो से इसका विरोध किया गया।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. गांधीजी द्वारा चलाये गये असहयोग आंदोलन का वर्णन कीजिए।

उ. (i) क्रिप्स मिशन की असफलता व द्वितीय विश्व युद्ध से अपने असंतोष के फलस्वरूप गांधीजी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया।

(ii) इस आंदोलन के तहत गांधीजी ने अंग्रेजो को पूरी तरह से भारत छोड़ने के लिए कहा।

(iii) भारत छोड़ो आंदोल का प्रस्ताव 14 जुलाई 1942 को वर्धा में आयोजित कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक में पारित किया गया।

(iv) 8 अगस्त 1942 को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया।

(v) इस अवसर पर गांधीजी ने ''करो या मरो'' का नारा दिया।

(vi) इस आंदोलन के दौरान लोगो ने हड़ताले की तथा राष्ट्रीय गीतो व नारो के साथ प्रदर्शन किए एवं जुलुस निकाले।

(vii) यह आंदोलन एक जनआंदोल या जिसमें छात्र मजूदर व किसानो ने भाग लिया।

(viii) इस आंदोल में जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली एवं राममनोहर लोहिया जैसे नेताओं ने भाग लिया।

(ix) इस आंदोलन में महिलाओं की व्यापक भागीदारी रही जिनमें प्रमुख महिलाएं बगांल की मातंगिनी हजारा, असम की कलकता बरुआ और उड़ीसा की रमा देवी थी।

2. प्रथम विश्वयुद्ध ने भारत में राष्ट्रीय आंदोलन में किस प्रकार योगदान दिया? स्पष्ट कीजिए।

उ. (i) प्रथम स्थिति पैदा कर दी थी जिसके कारण रक्षा व्यय में भारी इजाफा हुआ।

(ii) इस खर्चे की भरपाई करने के लिए युद्ध के नाम पर कर्जे लिए गए और करो में वृद्धि की गई।

(iii) सीमा शुल्क बढ़ाया गया।

(iv) आयकर की शुरुआत की गई।

(v) युद्ध के दौरान कीमतो में लगातार वृद्धि हो रही थी जिसके कारण आमजन की मुश्किले बढ़ गई थी।

(vi) गांवों में सिपाहियों की जबरन भर्ती की गई जिसके कारण ग्रामीण इलाको में काफी गुस्सा था।

(vii) देश के बहुत सारे हिस्सों मे फसले खराब हो गई जिसके कारण खाद्यान्नों का अभाव हो गया।

(viii) फ्लू की बीमारी व दुर्भिक्ष के कारण लाखो लोग मारे गये।

(ix) लोगों को अम्मीद थी कि युद्ध समाप्ति के बाद उनकी मुसीबते कम हो जायेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

इन सब कारणो ने भारत में राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान दिया।

शेखावाटी मिशन-100

3. सविनय अवज्ञा आंदोलन का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए?

उ. (i) यह आंदोलन 1930 में शुरू हुआ।

(ii) 1928 में साइमन कमीशन भारत आया जिसने भारतीयों के विरोध के बावजूद अपनी रिपोर्ट पेश कर दी जिससे भारतीयों में असंतोष फैल गया।

(iii) यह आंदोलन गांधीजी की दाण्डी यात्रा से प्रारम्भ हुआ जिसके तहत उन्होंने नमक बनाकर कानून तोड़ने का निश्चय किया।

(iv) गांधीजी ने 12 मार्च 1930 को अपने 78 विश्वस्त वांलटियरो के साथ नमक यात्रा शुरु कर दी।

(v) यह यात्रा साबरमती आश्रम से शुरू होकर 240 किमी दूर दांडी नामक स्थान पर खत्म होनी थी।

(vi) गांधीजी ने 24 दिन तक रोज लगभग 10 मील का सफरर तय किया तथा 6 अप्रेल को दांडी पहुंचकर नमक बनाकर नमक कानून का उलघंन किया।

(vii) यहां से सविनय अवज्ञा आंदोलन देश भर में फैल गयां अनेक स्थानों पर लोगों ने सरकारी कानूनों का उल्लघंन किया।

(viii) सरकार ने आंदोलन को दबाने के लिये दमन चक्र प्रारम्भ कर दिया। गांधीजी सहित अनेक लोगों को जेल में डाल दिया गया।

(ix) अतं में गांधीजी तथा वायसराय इरविन के मध्य एक समझौता हुआ तथा गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन बंद कर दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने का निश्चय किया।

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

कक्षा–10

पाठ – 3 भूमंडलीकृत विश्व का बनना

अंक – 6

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 (2)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 (2)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 (1)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. किस महाद्वीप में पशुओं में रिंडरपेस्ट नामक बीमारी व्यापक रूप से फैली थी?
   (a) अमेरिका (b) अफ्रीका
   (c) एशिया (d) यूरोप Ans (b)
2. 1885 में यूरोपिय देशो ने किस महाद्वीप को लकीरे खींचकर आपस में बांट लिया था।
   (a) अफ्रीका (b) यूरोप
   (c) एशिया (d) ऑस्ट्रेलिया Ans (a)
3. वह कौनसा मार्ग था, जो एशिया को यूरोप तथा अफ्रीका से जोड़ने का कार्य करता है –
   (a) राजमार्ग (b) रेशम मार्ग
   (c) स्वर्णिम मार्ग (d) इनमें से कोई नहीं Ans (b)
4. विश्व पटल पर महामन्दी का प्रारम्भ किस वर्ष हुआ था?
   (a) 1929 (b) 1931
   (c) 1924 (d) 1936 Ans (a)
5. गेंहू और कपास की खेती हेतु भारत में किस राज्य में केनाल कॉलोनी (नहर बस्ती) बसायी गयी?
   (a) राजस्थान (b) मध्यप्रदेश
   (c) गुजरात (d) पंजाब Ans (d)
6. हैनरी स्टैनली को किस महाद्वीप में खोज हेतु भेजा गया था?
   (a) अमेरिका (b) यूरोप
   (c) अफ्रीका (d) एशिया Ans (c)
7. वृहत उत्पादन प्रणाली के विख्यात प्रणेता कौन थे?
   (a) हेनरी फोर्ड (b) स्टैनली हॉल
   (c) कोलम्बस (d) क्रिस्टोफर Ans (a)
8. कौनसा महाद्वीप 18वीं शताब्दी में विश्व व्यापार का सबसे बड़ा केन्द्र था –
   (a) अफ्रीका (b) यूरोप
   (c) अमेरिका (d) एशिया Ans (b)

शेखावाटी मिशन-100

9. अमेरिका में स्पेनिश मैनिको द्वारा कौनसी बीमारी फैलाई गई?

(a) कैंसर (b) चेचक

(c) मलेरिया (d) टिटनेस Ans (b)

10. 1840 के दशक में आयरलैण्ड में कौनसी फसल खराब हो जाने के कारण लाखो लोग भूखमरी के कारण मौत का शिकार हो गए थे?

(a) मक्का (b) आलू

(c) सोयाबीन (d) गेहूं Ans (b)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वह कौनसा कानून था जिसके तहत सरकार ने मक्का के आयात पर पाबंदी लगा दी थी?

उ. कॉर्न लॉ

2. भारत से विदेशो को भेजे जाने वाले अनुबंधित श्रमिक किस नाम से जाने जाते थे?

उ. गिरमिटिया।

3. त्रिनिदाद में मुहर्रम के अवसर पर निकाले जाने वाले सालाना जुलूस (मेले) को किस नाम से जाना जाता था?

उ. होसे

4. प्रथम विश्वयुद्ध कब शुरू हुआ था?

उ. अगस्त 1914 में

5. ब्रेटनवुड्स सम्मेलन में किन दो संस्थाओं की स्थापना की गई जिन्हें ब्रेटनवुड्स की जुड़वा संतान कहा जाता है?

उ. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष व विश्व बैंक।

6. विकासशील देशों के संगठन को किस नाम से जाना जाता है?

उ. जी–77

7. वीटो से आप क्या समझते हैं?

उ. वीटो वह अधिकार है जिसके तहत कोई भी सदस्य अपनी असहमति प्रकट करके प्रस्ताव को निरस्त कर सकता है।

8. ब्रेटनवुड्स सम्मेलन कब आयोजित किया गया?

उ. जुलाई 1944 में।

9. प्रथम विश्वयुद्ध ने किस देश को कर्जदाता देश बना दिया था जिससे ब्रिटेन को भारी कर्जा लेना पड़ा?

उ. अमेरिका

10. प्रथम विश्वयुद्ध में मित्र राष्ट्र कौन थे?

उ. ब्रिटेन, फ्रांस, रूस।

11. ब्रिटीश सरकार भारत में अफीम की खेती करवाकर उसे किस देश को निर्यात करती थी?

उ. चीन

12. उपनिवेशवाद के दौरान कौनसे देश ओपनिवेशिकक ताकत के रूप में उभरकर आये?

उ. जर्मनी व बेल्जियम।

13. किस सम्मेलन में औपनिवेशिक ताकतो ने अफ्रीका का बंटवारा किया था?

उ. बर्लिन सम्मेन (1885)

शेखावाटी मिशन-100

लधुतरात्मक प्रश्न –

1. भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामंदी का क्या प्रभाव पड़ा?

उ. (i) आयात–निर्यात घटकर आधे हो गए।

(ii) गेहूं की कीमत 50 प्रतिशत गिर गई।

(iii) पटसन की कीमतों में 60 प्रतिशत से भी ज्याद गिरावट आ गई।

(iv) काश्तकारों पर कर्ज का बोझ बढ़ गया।

2. 19वीं सदी विश्व अर्थव्यवस्था में कौनसे तकनीकी परिवर्तन हुए? स्पष्ट कीजिए।

उ. (i) तीव्र गति से चलने वाली रेलगाड़ियों का निर्माण हुआ।

(ii) जलपोतो का आकार बढ़ाया गया जिससे उत्पादों को कम लागत पर आसानी से पहुंचाया जा सका।

(iii) जहाजों में रिफ्रिजेशन की तकनीक स्थापित होने से खाने–पीने के सामानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने में आसानी हो गई।

3. अनुबंधित श्रमिको के कारण कैरीबियाई संस्कृति पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उ. (i) त्रिनिदाद में मुहर्रम के वार्षिक जुलूस को होसे नामक विशाल मेले का रूप दिया गया।

(ii) रास्ता फारियानवाद नामक विद्रोही धर्म की भी भारतीय अप्रवासियों एवं कैरिबियाई द्वीप समूह के बीच सम्बंधों की झलक मिलती है।

(iii) त्रिनिदाद और गुयाना में प्रसिद्ध चटनी म्यूजिक भी भारतीय अप्रवासियों के वहां पहुंचने के बाद सामने आयी रचनात्मक अभिव्यक्तियों का ही उदाहरण है।

4. महामंदी के प्रमुख कारण क्या थे?

उ. (i) कृषि क्षेत्र में अति उत्पादन।

(ii) अमेरिका से कर्जा नहीं मिल पाना।

(iii) यूरोप के बैंकों का धराशायी हो जाना।

(iv) आमदनी में गिरावट आना।

(v) बेरोजगारी का बढ़ना।

5. प्रथम विश्व युद्ध पहला आधुनिक औद्योगिक युद्ध था। स्पष्ट कीजिए।

उ. (i) इस युद्ध में मशीनगनों, टैंको, हवाई जहाजो व रासायनिक हथियारों का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया गया।

(ii) युद्ध के लिये सम्पूर्ण विश्व से असंख्य सैनिकों की भती की गई जिन्हें विशाल जलपोतो, रेलगाड़ियों में भरकर युद्ध मोर्चो पर ले जाया गया।

(iii) इस युद्ध में जो भीषण जनहानि हुई, उसकी औद्योगिक युग से पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी।

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

लोकतांत्रिक राजनीति

पाठ – 1 सत्ता की साझेदारी

अंक – 4

अंक विभाजन –
वस्तुनिष्ठ – 1 अंक (1 प्रश्न)
अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)
लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. श्रीलंका को स्वतंत्रता प्राप्त हुई –
   (a) 1947 में (b) 1948 में
   (c) 1950 में (d) 1956 में Ans (b)
2. यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहाँ स्थित है?
   (a) लंदन (b) पेरिस
   (c) ब्रूसेल्स (d) जिनेवा Ans (c)
3. बेल्जियम में डच भाषी क्षेत्र है –
   (a) वेलोन (b) ब्रूसेल्स
   (c) फ्लेमिश (d) उपर्युक्त सभी Ans (c)
4. श्रीलंका की आबादी में सबसे बड़ा हिस्सा किस प्रमुख सामाजिक समूह का है –
   (a) सिंहली (b) भारतीय तमिल
   (c) श्रीलंकाई तमिल (d) ईसाई Ans (a)
5. बेल्जिमय में केन्द्र और राज्य सरकार के अलावा तीसरे स्तर की सरकार होती है –
   (a) पंचायती सरकार (b) नगरीय सरकार
   (c) अल्पमत सरकार (d) सामुदायिक सरकार Ans (d)
6. श्रीलंका में सिंहली भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया –
   (a) 1948 में (b) 1956 में
   (c) 1968 में (d) 1976 में Ans (b)
7. निम्न में से किस देश ने 1970 से 1993 के मध्य अपने संविधान में चार संशोधन किए –
   (a) श्रीलंका (b) भारत
   (c) नेपाल (d) बेल्जियम Ans (d)
8. सरकार के विभिन्न अंगों में सत्ता का बंटवारा कहलाता है –
   (a) सत्ता का क्षैतिज वितरण (b) सत्ता का उर्ध्वाधर वितरण
   (c) सत्ता का विभिन्न समूहों के मध्य वितरण (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं Ans (a)

शेखावाटी मिशन-100

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. सत्ता की साझेदारी दरअसल .... की आत्मा है। (लोकतंत्र)
2. बेल्जियम में .... भाषी लोग अधिक समृद्ध और ताकतवर रहे हैं। (फ्रेंच)
3. श्रीलंका में गृह युद्ध का अन्त सन् .... में हुआ। (2009)
4. लोकतंत्र में व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूर जैसे कइ संगठित .... भी सक्रिय रहते है। (हित समूह)
5. लोकतंत्र का बुनियादी सिद्धान्त यह है कि .... ही सम्पूर्ण राजनैतिक शक्ति का स्रोत है। (जनता)
6. श्रीलंका एक .... देश है जो तमिलनाडु के दक्षिणी तट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। (द्वितीय)
7. बेल्जियम में समाज की जातीय बुनावट बहुत .... है। (जटिल)
8. किसी मुल्क में सरकार विरोधी समूहों की हिंसक लड़ाई ऐसा रूप ले ले कि वह युद्ध सा लगे तो उसे .... कहते हैं। (गृहयुद्ध)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. श्रीलंका की तमिल समस्या के कोई दो कारण बताईये।

उ. (i) सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता देना।
(ii) सिंहली को राजभाषा का दर्जा देना।

2. बेल्जियम में फ्रेंच भाषी क्षेत्र को क्या कहा जाता है?

उ. वेलोनिया

3. श्रीलंका में हिन्दुस्तानी तमिल कौन है?

उ. औपनिवेशिक शासनकाल में बागानों में काम करने के लिए भारत से लाए गए लोगों की संतान हिन्दुस्तानी तमिल कहलाते हैं।

4. सत्ता के उर्ध्वाधर वितरण से क्या आशय है?

उ. उच्चतर और निम्नता स्तर की सरकारों के मध्य सत्ता के बंटवारे को उर्ध्वाधर वितरण कहते हैं।

5. सत्ता की साझेदारी का नैतिक तर्क क्या है?

उ. सत्ता की साझेदारी का नैतिक तर्क सत्ता के बंटवारे के अंतर्भूत महत्व पर बल देता है।

6. सत्ता की साझेदारी का युक्तिपरक तर्क क्या है ?

उ. सत्ता की साझेझारी का युक्पिरक तर्क लाभकर परिणामों पर बल देता है।

7. सत्ता की साझेदारी का क्या अर्थ है?

उ. सत्ता की साझेदारी का अर्थ है – सरकार के विभिन्न अंगों और स्तरों पर शक्तियों का विभाजन।

8. बेल्जियम में कितने भाषा–भाषी लोग निवास करते हैं?

उ. बेल्जियम में 59% डच, 40% फ्रेंच और 1% जर्मन भाषी लोग निवास करते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों जरूरी है?

उ. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी निम्न कारकों से जरूरी है –

शुभारंभ मिशन-100

(i) सामाजिक समूहों के मध्य टकराव को कम करती है।

(ii) यह दरअसल लोकतंत्र की आत्मा है।

(iii) समानता की पोषक शासन प्रणाली

(iv) सभी के हितों की सुरक्षा

(v) स्थानीय स्वशासन का विकास

(vi) व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा

(vii) योग्य एवं कुशल शासन व्यवस्था

2. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूप कौन–कौनसे है?

उ. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी के निम्न चार रूप विद्यमान है –

(i) एक ही सरकार के विभिन्न अंगों (विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका) के मध्य सत्ता का विभाजन।

(ii) सरकार के विभिन्न स्तरों (केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय सरकार) के मध्य सत्ता का विभाजन।

(iii) विभिन्न सामाजिक समूहों (धार्मिक, भाषायी, आदिवासी पिछड़े और अल्पसंख्यक समूह) के मध्य सत्ता का विभाजन।

(iv) विभिन्न राजनीतिक दलों, दवाब समूहों किसानों, औद्योगिक मजदूरों एवं आन्दोलनों के मध्य सत्ता का विभाजन।

3. बहुसंख्यकवाद से क्या तात्पर्य है? उस देश का नाम बताईये जहां बहुसंख्यकवाद है।

उ. – बहुसंख्यकवाद का आशय बहुसंख्यक समुदाय को मनचाहे ढंग से शासन करने का अधिकार देने से है।

– इसमें बहुसंख्याकों द्वारा अल्पसंख्यकों की इच्छाओं और आवश्यकताओं की अवहेलना की जाती है।

– श्रीलंका मे बहुसंख्यकवाद देखने को मिलता है जहां सिंहलियों का वर्चस्व है।

4. श्रीलंका में तमिलों की प्रमुख मांगे क्या–क्या थी?

उ. श्रीलंका सरकार के समक्ष तमिलों की निम्न प्रमुख मांगे थी –

(i) तमिला भाषा को भी राजभाषा का दर्जा दिया जाये।

(ii) शिक्षा और सरकारी सेवाओं में तमिलों को सिंहलियों के समान अवसर प्रदान किये जायें।

(iii) तमिल बहुल क्षेत्रों को स्वायत्तता प्रदान की जाये।

5. विभिन्न सामाजिक समूहों के मध्य सत्ता के बंटवारे के कोई दो उदाहरण दीजिए।

उ. (i) बल्जियम में सामुदायिक सरकार का गठन।

(ii) भारत में सामाजिक रूप से कमजोर समुदायों और महिलाओं को विधायिका तथा सरकारी सेवाओं में आरक्षण की व्यवस्था।

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

पाठ – 2 संघवाद

अंक – 4

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ – 1 अंक (1 प्रश्न)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)

1. जो विषय किसी भी सूची में नहीं आते है, वे किसके अधिकार क्षेत्र में चले जाते है –
   (a) संघ सूची (b) राज्य सूची
   (c) समवर्ती सूची (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं Ans (a)
2. राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट को कब लागू किया गया ?
   (a) 1 नवम्बर 1956 (b) 1 नवम्बर 1957
   (c) 1 नवम्बर 1958 (d) 1 नवम्बर 1959 Ans (a)
3. साथ आकर संघ बनाने वाला देश है –
   (a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) स्विटजरलैण्ड
   (c) ऑस्ट्रेलिया (d) उपर्युक्त सभी Ans (d)
4. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाएं सम्मिलित हैं –
   (a) 20 भाषाएं (b) 21 भाषाएं
   (c) 22 भाषाएं (d) 23 भाषाएं Ans (c)
5. अनुच्छेद 371 के तहत विशेष शक्तियों का लाभ उठाने वाला राज्य नहीं है –
   (a) नागालैण्ड (b) उत्तराखण्ड
   (c) असम (d) मिजोरम Ans (b)
6. निम्न में से कौनसा विषय समवर्ती सूची का नहीं है –
   (a) शिक्षा (b) वन
   (c) मजदूर संघ (d) प्रतिरक्षा Ans (d)
7. केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के मध्य विवादों का निपटारा कौन करता है –
   (a) उच्चतम न्यायालय (b) संसद
   (c) सर्वोच्च न्यायालय (d) राष्ट्रपति Ans (c)
8. भारत में ग्रामीण स्तर पर स्थानीय शासन व्यवस्था को किस नाम से जाना जाता है –
   (a) नगरीय स्वशासन (b) पंचायती राज
   (c) छावनी बोर्ड (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं Ans (b)

शेखावाटी मिशन-100

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. भारत में सत्ता के वास्तविक विकेन्द्रीकरण की दिशा में एक प्रमुख कदम सन् .... मे उठाया गया। (1992)
2. .... को संविधान और विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकारों की व्याख्या करने का अधिकार है। (न्यायालय)
3. भारतीय संविधान ने भारत को .... का संघ घोषित किया है। (राज्यों)
4. सरकार चलाने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करने के लिए जरूरी .... की उगाही के संबंध में केन्द्र और राज्य सरकारों को .... लगाने का अधिकार है। (राजस्व, कर)
5. एक से अधिक राजनीतिक दलों द्वारा साथ मिलकर बनाई सरकार को .... सरकार कहते है। (गठबंधन)
6. सबसे बड़ी भाषा हिंदी भी सिर्फ .... प्रतिशत लोगों की ही मातृभाषा है। (44)
7. नगर निगम के प्रमुख को .... कहते हैं। (मेयर/महापौर)
8. प्रतिरक्षा, विदेशी मामले, बैंकिग, संचार और मुद्रा जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषय .... सूची में सम्मिलित हैं। (संघ)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. एकात्मक शासन व्यवस्था से आप क्या समझते हो?

उ. एकात्मक शासन व्यवस्था में शासन का एक ही स्तर होता है और बाकी इकाईयां उसके अधीन होकर काम करती है।

2. संघीय शासन व्यवस्था कितने तरीकों से गठित होती है?

उ. संघीय शासन व्यवस्था दो तरीकों से गठित होती है –

(i) साथ आकर संघ बनाना

(ii) बड़े देश द्वारा विविध राज्यों का गठन कर

3. संघवाद से क्या आशय है?

उ. लोकतंत्र में शासन के विभिन्न स्तरों के बीच सत्ता के उर्ध्वाधर बंटवारे को संघवाद कहा जाता है।

4. भारत में पंचायती राज व्यवस्था के तीन स्तर कौन–कौन से हैं?

उ. भारत में पंचायती राज व्यवस्था के निम्न तीन स्तर है –

(i) ग्राम स्तर – ग्राम पंचायत

(ii) खण्ड स्तर – पंचायत समिति

(iii) जिला स्तर – जिला परिषद्

5. सत्ता के विकेन्द्रीकरण अर्थ समझाईये।

उ. जब केन्द्र और राज्य सरकार से शक्तियां लेकर स्थानीय सरकारों को दी जाती है तो इसे सत्ता का विकेन्द्रीकरण कहते हैं।

6. राज्य सूची में कौन कौन से विषय सम्मिलित हें?

उ. पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, कृषि और सिंचाई जैसे प्रांतीय और स्थानीय महत्व के विषय राज्य सूची में सम्मिलित हैं।

7. भाषायी राज्यों के गठन से होने वाले किन्ही दो लाभों को बताईये।

उ. (i) भाषा के आधार पर राज्यों के गठन से देश ओर अधिक एकीकृत और सशक्त हुआ।

(ii) इससे प्रशासन भी पहले से अधिक सुविधाजनक हो गया।

8. केन्द्रशासित प्रदेश से आप क्या समझते हैं?

उ. वे प्रांत जो अपने छोटे आकार की वजह से स्वतंत्र प्रांत नहीं बन सकते हैं और इनका किसी मौजूदा प्रांत में विलय भी असम्भव है। इसलिए इनको केन्द्रशासित प्रदेश कहते है।

शेखावाटी मिशन-100

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संघीय शासन व्यवस्था की महत्वपूर्ण विशेषताए बताईये।

उ. संघीय शासन व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएं निम्न है –

(i) सरकार द्विस्तरीय होती है।

(ii) अलग–अलग अधिकार क्षेत्र

(iii) अस्तित्व और प्राधिकार की संवैधानिक गारंटी

(iv) संविधान के मौलक प्रावधान में संशोधन दोनों स्तरो की सहमति से सम्भव

(v) न्यायालय की सर्वोच्चता

(vi) वित्तीय स्वायत्तता

2. सत्ता के विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच (मूलभावना) क्या है?

उ. सत्ता के विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच को निम्न बिन्दुओं से समझा जा सकता है –

(i) स्थानीय समस्याओं/मुद्दों का समाधान स्थानीय स्तर पर बेहतर ढ़ग से सम्भव।

(ii) बजट का उचित उपयोग

(iii) जनता की प्रशासन में सीधी भागीदारी।

(iv) स्व–शासन के लोकतांत्रिक सिद्धान्त को साकार करने का सबसे अच्छा तरीका।

3. ग्राम पंचायत पर एक संक्षिप्त लेख लिखिये।

उ. – प्रत्येक ग्राम/ग्रामों के समूह की एक ग्राम पंचायत होती है।

– ग्राम पंचायत के अध्यक्ष को सरपंच और वार्डो के सदस्यों को पंच कहा जाता है।

– सरपंच/पंचों का चुनाव ग्राम के सभी व्यस्क मतदाता करते हैं।

– ग्राम पंचायत ग्राम के लिए फैसला लेने वाली संस्था है।

– ग्राम पंचायत में एक ग्राम सभा होती है जो पंचायत का सारा कार्य देखती है।

– ग्राम के समस्त मतदाता इसके सदस्य होते हैं जिसकी बैठक वर्ष में कम से कम दो या तीन बार होती है।

4. सत्ता के विकेन्द्रीकरण की दिशा में सन् 1992 में भारत सरकार द्वारा उठाये गए प्रमुख कदम क्या – क्या हैं?

उ. सत्ता के विकेन्द्रीकरण की दिशा में सन् 1992 में उठाये गए प्रमुख कदम निम्न हैं –

– स्थानीय निकायों के चुनाव नियमित समय पर करवाने की संवैधानिक बाध्यता।

– स्थानीय निकायों के चुनाव में अनुसुचित जातियों, जनजातियों और पिछड़ा वर्गो के लिए आरक्षण का प्रावधान।

– स्थानीय निकाय के चुनाव करवाने के लिए स्वतंत्र राज्य चुनाव आयोग का गठन।

– राज्य सरकारों द्वारा अपने राजस्व और अधिकारों का कुछ हिस्सा इन निकायों को देना।

– कम से कम एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना।

5. भारत की भाषा नीति को समझाईये।

उ. निम्न बिन्दुओं द्वारा भारत की भाषा नीति स्पष्ट होती है –

– संविधान में किसी एक भाषा को राष्ट्र भाषा का दर्जा नहीं है।

– हिन्दी को राजभाषा माना गया है लेकिन अन्य भाषाओं के संरक्षण के उपाय भी किये गये हैं।

– राज्यों की अपनी राजभाषाएं हैं।

– केन्द्र सरकार के किसी पद की परीक्षा, उम्मीदवार अपनी पंसद की भाषा जिसका उल्लेख संविधान की आठवीं अनुसूची में हो, में दे सेकता है, बशर्त आवेदन में विकल्प चुना हो।

शुभारंभ मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

पाठ – 3 लोकतंत्र और विविधता

अंक – 3

अंक विभाजन –

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन कब ओर किसके नेतृत्व में लड़ा गया?

उ. अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोल सन् 1954 से सन् 1968 तक मार्टिन लूथर किंग जूनिर के नेतृत्व में लड़ा गया।

2. अफ्रीकियों के उन बच्चों को क्या कहते है जो गुलामों के रूप में अमेरिका भेजे गये थे?

उ. एफ्रो–अमेरिकी

3. अश्वेत शक्ति आन्दोलन का दृष्टिकोण बताइये।

उ. सन् 1966 से 1975 तक चलने वाले अश्वेत शक्ति आन्दोल का मानना था कि अमेरिका से नस्लवाद मिटाने के लिए हिंसा का सहारा लेने में भी हर्ज नहीं है।

4. सामाजिक विभाजन अधिकांशतः किस पर आधारित होता है?

उ. जन्म पर

5. टॉमी स्मिथ एवं जॉन कार्लोस में क्या समानता थी?

उ. टॉमी स्मिथ एवं जॉन कार्लोस दोनों ही एफ्रो–अमेरिकी खिलाड़ी थे।

6. सामाजिक भेदभाव की उत्पत्ति के लिए उत्तरदायी कारक कौन–कौन से हैं?

उ. जन्म, पसंद या चुनाव धर्म तथा आर्थिक स्थिति

7. विविधता को समाहित करने का सर्वोत्तम तरीका कौनसा है?

उ. लोकतंत्र

8. किस देश में वर्ग और धर्म के मध्य गहरी समानता है?

उ. उत्तरी आयरलैण्ड

9. उत्तरी आयरलैण्ड और नीदरलैण्ड में कौनसे धर्म के लोगों की बहुलता है और ये लोग कौन–कौनसे खेमों में विभक्त हैं?

उ. उत्तर आयरलैण्ड और नीदरलैण्ड ईसाई बहुल देश है लेकिन यहां के लोग प्रोटेस्टेट और कैथोलिक खेमें में बंटे हैं।

10. स्वीडन और जर्मनी में किस प्रकार का समाज हैं?

उ. स्वीडन और जर्मनी में समरूप समाज है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सामाजिक भेदभाव की उत्पत्ति के कोई चार कारण बताईये।

उ. सामाजिक भेदभाव की उत्पत्ति के प्रमुख कारण निम्न है –

(i) सामाजिक भेदभव अधिकांशतः जन्म आधारित होता है।

(ii) वर्ण व्यवस्था आधारित समाज

शेखावाटी मिशन-100

(iii) लैंगिक असमानता

(iv) धर्म पर आधारित भेदभाव

2. टॉमी स्मिथ एवं जॉन कार्लोस ने रंगभेद के मुद्दे पर किस प्रकार अन्तर्राष्ट्री समुदाय का ध्यान आकर्षित किया?

उ. (i) मैक्सिको ओलम्पिक में उन्होंने गरीबी जताने हेतु बिना जूतों के केवल मोजे पहनकर पुरस्कार लिया।

(ii) स्मिथ ने अपने गले में काला मफलर जैसा परिधान पहना था जो कि अश्वेत लोगों के आत्म गौरव का प्रतीक था।

(iii) कार्लोस ने मारे गए अश्वेत लोगों की याद मे काले मनकों की एक माला पहनी।

3. भारत में सामाजिक विभाजनों की राजनीति के परिणाम क्या–क्या हो सकते हैं?

उ. भारत में सामाजिक विभाजनों की राजनीति के परिणाम को निम्न बिन्दुओं से स्पष्ट किया जा सकता है –

(i) भारतीय पहचान के प्रति आग्रह।

(ii) संविधा के दायरे में आने वाली मांगों की स्वीकृति।

(iii) अल्पसंख्यकों की मांगों के प्रति सरकार का उदार दृष्टिकोण।

4. किस प्रकार सामाजिक अन्तरों से लोकतंत्र सुदृढ़ होता है?

उ. – लोकतंत्र में सामाजिक विभाज की राजनीतिक अभिव्यक्ति एक सामान्य बात है।

– इसी से विभिन्न छोटे सामाजिक समूह, अपनी जरूरतों और समस्याओं को जाहिर कर सरकार का ध्यान अपनी ओर खींचते है।

– सामाजिक विभाजनों की यह अभिव्यक्ति ऐसे विभाजनों के बीच संतुलन पैदा कर लोकतंत्र मजबूत करती हैं।

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

पाठ – 4 जाति, संघर्ष और लैंगिक मसले

अंक – 5

अंक विभाजन –

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (2 प्रश्न)

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न – 3 अंक (1 प्रश्न)

1. ''धर्म को राजनीति से कभी भी अलग नहीं किया जा सकता।'' ये शब्द किसने कहे?

उ. महात्मा गांधी

2. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में महिलाओं और पुरूषों की साक्षरता दर कितने प्रतिशत है?

उ. महिला साक्षरता दर = 65.46%

पुरूष साक्षरता दर = 82.14%

3. वर्ण व्यवस्था से क्या तार्त्पय है?

उ. प्राचीन काल के समाज के ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र के रूप में विभाजन।

4. साम्प्रदायिकता से आप क्या समझते हैं?

उ. साम्प्रदायिकता इस उद्देश्य पर आधारित होती है कि धर्म ही सामाजिक समुदाय का निर्माण करता है। इस मान्यता के अनुकूल सोचना साम्प्रदायिकता है।

5. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का लिंगानुपात क्या था?

उ. 943

6. नारीवादी आन्दोलन से क्या अभिप्राय है?

उ. वे आन्दोलन जो पुरूषों और महिलाओं को समान अधिकार दिलाने हेतु चलाए गए थे, नारीवादी आन्दोलन कहे जाते हैं।

7. जातिवाद से समाज पर पड़ने वाले दो प्रभाव बताईये।

उ. (i) राष्ट्रीय एकता में कमी आती है।

(ii) धर्म निरपेक्ष समाज के विकास में बाधा आती है।

8. सन् 2019 के लोकसभा चुनावों में महिला सांसदों का प्रतिनिधित्व कितना था?

उ. 14.36%

9. भारत में जाति ने किन तरीकों से राजनीति को प्रभावित किया?

उ. (i) राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव में जाति के आधार पर टिकट वितरण।

(ii) सरकार में जाति के आधार पर प्रतिनिधित्व देना।

10. शहरीकरण क्या है?

उ. ग्रामीण इलाकों से निकलकर लोगों का शहरों में बसना।

11. विश्व के किन देशों में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी का स्तर काफी ऊंचा है?

उ. स्वीडन, नार्वे और फिनलैण्ड जैसे देशों में ।

शेखावाटी मिशन-100

12. श्रम के लैंगिक विभाजन का क्या आश्य है?

उ. काम के बंटवारे का वह तरीका जिसमें घर के अन्दर के सारे काम परिवार की औरतें करती हैं या अपनी देखरेख में घरेलू नौकरों/नौकरानियों से कराती हैं।

13. पारिवारिक कानून से क्या अभिप्राय है?

उ. विवाह, तलाक, गोद लेना और उत्तराधिकार जैसे परिवार से जुड़े मसलों से सम्बन्धित कानून पारिवारिक कानून कहलाते हैं।

14. किस समाज सुधारक ने जातिगत भेदभाव मुक्त समाज बनाने की बात की?

उ. महात्मा ज्योतिबा फुले

15. जनगणना में किन दो विशिष्ट समूहों की गिनती अलग से की जाती है?

उ. (i) अनुसूचित जाति

(ii) अनुसूचित जनजाति

16. धर्मनिरपेक्षता का अर्थ बताईये।

उ. राज्य द्वारा सभी धर्मों को समान महत्व प्रदान करना/राज्य का अपना कोई राजकीय धर्म नहीं होता है।

17. लिंगानुपात किसे कहते हैं?

उ. प्रति एक हजार पुरूषों के पीछे महिलाओं की संख्या को लिंगानुपात कहते हैं।

18. महिलाओं को घरेलू उत्पीड़न से बचाने हेतु कोई एक तरीका सुझाइये।

उ. घरेलू हिंसा अधिनियम (2005) की जानकारी देना।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत में लैंगिक विषमता (असमानता) को स्पष्ट कीजिये।

उ. भारत में लैंगिक विषमता को निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है –

(i) श्रम का लैंगिक विभाजन – भारत में बच्चों के पालन–पोषण के क्रम में यह मान्यता उनके मस्तिष्क मे बैठा दी जाती है कि औरत की मुख्य जिम्मेदारी गृहस्थी चलाने और बच्चों के पालन–पोषण करने की है। इसके परिणामस्वरूप औरतें घर की चार दीवारी तक सिमट कर रह गई। इसको दूर करने हेतु महिलाओं की शिक्षा और रोजगार की मांग उठाई गई है जिससे लैंगिक विभाजन में सुधार हो रहा है।

(ii) पितृ प्रधान समाज – हमारा समाज पितृ प्रधान होने के कारण औरतों के साथ अनेक प्रकार के भेदभाव करता है। यथा – लड़की की शिक्षा पर लड़के के मुकाबले कम खर्च करना, महिलाओं को पुरूषों की तुला में कम मजदूरी देना, महिलाओं को विधायिका में कम प्रतिनिधित्व देना।

2. किन्हीं चार संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख कीजिये जो भारत को धर्म निरपेक्ष देश बनाते हैं?

उ. भारतीय संविधान के निम्न प्रावधान भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाते है –

(i) संविधान किसी धर्म को विशेष दर्जा नहीं देता है।

(ii) अपनी पसंद के धर्म को मानने और प्रचार करने की स्वतंत्रता।

(iii) धर्म आधारित किसी भी प्रकार के भेदभाव को प्रतिबंधित करता है।

(iv) राज्य धार्मिक समानता स्थापित करने हेतु धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर सकता है।

शेखावाटी मिशन-100

3. भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

अथवा

राजनीति में जाति अनेक रूप ले सकती है। किन्ही चार रूपों का वर्णन कीजिये।

अथवा

''सिर्फ राजनीति ही जातिग्रस्त नहीं होती जाति भी राजनीतिग्रस्त हो जाती है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिये।

अथवा

भारत में ''राजनीति में जाति'' और ''जाति के अन्दर राजीति'' है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं। दो–दो तर्क दीजिये।

उ. भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका को निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया जा सकता है –

(i) उम्मीदवारों का चयन जाति को दृष्टिगत रख कर तय किया जाता है।

(ii) सरकार में विभिन्न जातियों को ध्यान में रखकर प्रतिनिधित्व दिया जाता है।

(iii) चुनाव के समय राजनीतिक दलों के उम्मीदवार जनता का समर्थन प्राप्त करने हेतु जातिगत भावनाओं को उकसाते हैं।

(iv) सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार एवं एक व्यक्ति, एक वोट की व्यवस्था से उप–जातियों/छोटी जातियों का महत्व बढ़ गया है और इनमें एक नवीन चेतना का संचार हुआ है।

4. राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु तीन उपा सुझाइये।

उ. राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख उपाय निम्न है –

(i) महिलाओं को उचित शिक्षा के अवसर दिये जाये जिससे वे अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति ओर अधिक सजग हो सके।

(ii) प्रत्येक महिला को आत्मनिर्भर बनाया जाये जिससे उसे समाज में एक सम्मानजनक स्थान मिल सके।

(iii) निर्वाचित संस्थाओं मे महिलाओं का एक न्यायसंगत प्रतिनिधित्व होना चाहिये (जैस पंचायती राज और नगरीय स्व–शासन संस्थाओं में एक–तिहाई सीटे आरक्षित की गई हैं।)

5. सामाजिक समानता में शहरीकरण के योगदान को स्पष्ट कीजिये।

उ. सामाजिक समानता में शहरीकरण का योगदान निम्न बिन्दुओं से स्पष्ट होता है –

(i) शहरों में सबको शिक्षा प्राप्त करने की समानता है। स्कूलों एवं कॉलेजो में सभी जाति, वर्ग और धर्म के लोग एक साथ बैठकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

(ii) शहरों में जाति व्यवस्था और वर्ण व्यवस्था पर आधारित सोच में अब बदलाव आ रहा है।

(iii) संविधान में जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता को निषेध किया गया है।

6. भारत की सामाजिक और धार्मिक विविधता को स्पष्ट कीजिये।

उ. **भारत में सामाजिक विविधता –**

– भारत मे अनेक जाति समूह के लोग रहते है।

– जनगणना में दो विशिष्ट समूहों अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की ही गणना अलग से दर्ज होती है।

– 2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जाति की संख्या 16.6% और अनुसूचित जनजाति की संख्या 8.6% है।

भारत में धार्मिक विविधता –

– भारत में अनेक धर्मों के लोग रहते है।

– 2011 की जगणना के अनुसार हिन्दु धम की संख्या 79.8% , मुसलमान धर्म की 14.2%, सिक्ख धर्म की 1.7%, बौद्ध धर्म की 0.7% , जैन धम की 0.4% , अन्य धर्मो की 0.7% और जिनका कोई धर्म नहीं उनकी 0.2% है।

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

पाठ – 5 जन–संघर्ष और आंदोलन

अंक – 4

अंक विभाजन –

निबंधात्मक प्रश्न – 4 अंक (1 प्रश्न)

1. आन्दोलन से आप क्या समझते हैं? दवाब समूह और आंदोलन में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

उ. आंदोलन – किसी संस्था की सहायता अथवा उसके बिना सामाजिक, आर्थिक और राजनीति समस्या के समाधान हेतु शुरू किया गया संघर्ष ही आन्दोलन कहलाता है।

दवाब समूह और आंदोलन में अन्तर –

(i) दवाब समूहों का संगठन मजबूत होता है जबकि आंदोलनों का संगठन ढ़ीला–ढाला होता है।

(ii) दवाब समूह के फैसले औपचारिक रूप से लिये जाते हैं, जबकि आंदोलनों के फैसले अनौपचारिक रूप से लिये जाते है।

(iii) दवाब समूहों के फैसले आंदोलों के फैसलों की तुला में कम लचीले होते हैं।

(iv) दवाब समूह जनता की स्वतः स्फूर्त भागीदारी पर निर्भर नहीं होत हैं, जबकि आंदोलन जनता की स्वतः स्फूर्त भागीदारी पर निर्भर होते है।

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिये।

(अ) बामसेफ (ब) दवाब समूह

उ. (अ) बामसेफ – यह प्रमुखतः सरकारी कर्मचारियों का संगठन होता है जो जातिगत भेदभाव के विरूद्ध अभियान चलाता है। यह संगठन भेदभाव के शिकार अपने सदस्यों की शिकायतों को देखता है, लेकिन इसका मुख्य सरोकार सामाजिक न्याय और पूरे समाज के लिये सामाजिक समानता को हासिल करना है।

(ब) दवाब समूह – वे संगठन दवाब समूह कहलाते हैं जो सरकार की नीतियों से असंतुष्ट होते है और उन्हें प्रभावित करते हैं। इसमें एक समान इच्छा, व्यवसाय या विचार के लोग एक जैसी मांगों के लिए एकत्रित होकर आंदोलन करते हैं। उदाहरण – जैसे मजदूर संगठन, व्यवसायिक संघ एवं पेशेवर संघ (डॉक्टर, नर्से, शिक्षक एवं बैंक कर्मी आदि)।

3. "हित समूह, दवाब समूह और आंदोलन सदैव सकारात्मक नहीं होते है बल्कि इनके प्रभाव नकारात्मक भी होते है।" इस कथन की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिये।

उ. सकारात्मक प्रभाव –

(i) हित समूह और आन्दोलनों से लोकतंत्र मजबूत होता है।

(ii) सरकारें अक्सर कुछ धनी और ताकतवर लोगों के अनुचित दवाब में आकर गलत फैसले ले लेती है जिन पर इन हित समूहों और आंदोलनों से नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है।

(iii) हित–समूहों और आंदोलनों के माध्यम से सामान्य जनता की आवश्यकताओं और सरोकारों से सरकार को अवगत कराया जाता है।

नकारात्मक प्रभाव –

(i) ये संगठन किसी एक वर्ग विशेष के हितों की रक्षा करते हैं जो लोकतंत्र को कमजोर कर देता है।

(ii) कभी–कभी दवाब समूह का आंदोलन राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न कर देता है।

शेखावाटी मिशन-100

(iii) सभी वर्गो के उत्थान की ये संगठन उपेक्षा करते हैं जिससे लोकतंत्र का मूल ढांचा कमजोर होता है।

(iv) ये समूह जनता के प्रति जवाबदेह नहीं होते हैं।

(iv) ये समूह कभी–कभार अपने धनबल के कारण सरकार से अपनी अनुचित मांग भी मनवा लेते हैं जो लोकतंत्रीय परम्परा के लिए घातक है।

4. नेपाल ओर बोलीविया में हुए जन संघर्षों में हम क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?

उ. नेपाल ओर बोलीविया में हुए जन संघर्षों में हम निम्न निष्कर्ष निकाल सकते हैं –

(i) जन संघर्ष के माध्यम से लोकतंत्र का विकास होता है।

(ii) जनता की व्यापक स्तर पर लामबंदी से संघर्ष का समाधान होता है।

(iii) ऐसे संघर्ष और लामबंदियों का आधार राजीतिक संगठन होते हैं। जनता की स्वतः स्फूर्त सार्वजनिक भागीदारी संगठित राजनीति के माध्यम से ही सफल हो पाती है।

5. नेपाल में ''लोकतंत्र के लिए दूसरा आंदोलन'' के विभिन्न चरणों को स्पष्ट कीजिये।

उ. (i) नेपाल के राजा ज्ञानेन्द्र द्वारा सन् 2005 में लोकतांत्रिक सरकार को भंग करना।

(ii) अप्रैल 2006 में आंदोलन खड़ा हुआ, जिसका उद्देश्य था – सत्ता की बागडोर राजा के हाथ से लेकर दोबारा जनता को सौंपना।

(iii) नेपाल के सभी राजनीतिक दलों सप्तदलीय गठबंधन (एस.पी.ए.) बनाया और चार दिवसीय बंद का आह्वान किया जो जल्दी ही जनता के अपार समर्थन से अनिश्चितकालीन बंद का रूप ले लिया।

(iv) प्रमुख मांगे – 1. संसद को बहाल किया जाये। 2. सर्वदलीय सरकार का गठन हो। 3. एक नयी संविधान सभा का गठन हो।

(v) 24 अप्रैल 2006 को राजा ने ये उपरोक्त तीनों मांगे स्वीकार कर ली।

6. बोलिवीया में अचानक जन–आंदोल प्रारम्भ होने के पीछे क्या कारण थे? समझाईये।

उ. बोलिवीया में अचानक जन–आंदोल प्रारम्भ होने के पीछे निम्न कारण रहें –

(i) जल के लिए बोलिया के संघर्ष का मुख्य कारण वहां की सरकार द्वारा नगरपालिका द्वारा की जाने वाली जलापूर्ति का अधिकार एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी को बेचना है।

(ii) बहुराष्ट्रीय कम्पनी द्वारा पानी की कीमतों में चार गुणा बढ़ोत्तरी करना।

(iii) पानी का मासिक बिल 1000 रुपये तक पहुंच गया जबकि लोगों की मासिक आय मात्र 5000 रुपये है।

(iv) कोचबंबा शहर में हड़ताल पर नियंत्रण करने के लिए मार्शल लॉ लागू करना।

7. दवाब समूहों की गतिविधियां लोकतांत्रिक सरकार के कामकाज में कैसे उपयोगी होती है? स्पष्ट कीजिये।

उ. दवाब समूहों की गतिविधियां लोकतांत्रिक सरकार के कामकाज में काफी उपयोगी होती हैं। इसे निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकताहै –

(i) सरकार पर धनी और ताकतवर लोग के अनुचित दबाव के प्रतिकार में लाभदायक।

(ii) परस्पर विरोधी हितों के मध्य समन्वय और सन्तुल स्थापित करने में सहायक।

(iii) कानून निर्माण में सहायक।

(iv) सरकार और जनता के मध्य कड़ी।

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

आर्थिक विकास की समझ (अर्थशास्त्र)

पाठ – 1 विकास

अंक – 5

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 अंक (2 प्रश्न)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. वर्ष 2018 के लिए भारत का विश्व में मानव विकास सूचकांक व क्रमांक कितना है –
   (a) 135 (b) 140
   (c) 130 (d) 120 Ans (c)
2. विभिन्न देशों के विकास की तुलना का उपयुक्त मापदण्ड है –
   (a) राष्ट्रीय आय (b) प्रति व्यक्ति आय
   (c) साक्षरता (d) सकल घरेलू उत्पाद Ans (b)
3. भारत किस आय वर्ग के देशों में आता है –
   (a) उच्च आय वर्ग (b) मध्य आय वर्ग
   (c) निम्न आय वर्ग (d) अति उच्च आय वर्ग Ans (b)
4. निम्न में से कौनसा संगठन मानव विकास रिपोर्ट तैयार करता है –
   (a) विश्व बैंक (b) यू.एन.डी.पी.
   (c) एन.एस.एस.ओ. (d) मावाधिकार आयोग Ans (b)
5. निम्न में से किस राज की साक्षरता दर सर्वाधिक है?
   (a) पंजाब (b) राजस्थान
   (c) केरल (d) बिहार Ans (c)
6. मानव विकास की दृष्टि से किस राष्ट्र की स्थिति भारत से बेहतर है?
   (a) नेपाल (b) पाकिस्तान
   (c) बांग्लादेश (d) श्रीलंका Ans (d)
7. उच्च आय वर्ग वाला देश है –
   (a) भारत (b) नेपाल
   (c) संयुक्त राज्य अमेरिका (d) पाकिस्तान Ans (c)

शेखावाटी मिशन-100

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. औसत आय को .... आय भी कहा जाता है। (प्रति व्यक्ति आय)
2. सात वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात .... कहलाता है। (साक्षरता दर)
3. दो देशों के मध्य तुलना करने के लिए .... को एक अच्छा आधार माना जाता है। (प्रति व्यक्ति आय)
4. सौर ऊर्जा .... स्रोत है। (गैर परम्परागत)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मानव विकास सूचकांक घटकों के नाम लिखिए।

उ. 1. शिक्षा
 2. स्वास्थ्य
 3. प्रति व्यक्ति आय

2. प्रति व्यक्ति आय किसे कहते हैं?

उ. राष्ट्रीय आय को कुल जनसंख्या से भाग देने पर प्राप्त आय को प्रति व्यक्ति आय कहते है।

3. राष्ट्रीय आय किसे कहते हैं?

उ. एक लेखा वर्ष में किसी देश में उत्पादित अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्य के योग को राष्ट्रीय आय कहते है।

4. साक्षरता दर क्या हैं?

उ. 7 वर्ष तथा उससे अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात साक्षरता दर कहलाती है।

5. शिशु मृत्युदर का क्या अभिप्राय हैं?

उ. किसी वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों में से एक वर्ष की आयु से पूर्व मर जाने वाले बच्चों का अनुपात शिशु मृत्युदर कहलाता है।

6. गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत/नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों के उदाहरण लिखिए–

उ. 1. सौर ऊर्जा
 2. पवन ऊर्जा
 3. बायो गैस
 4. परमाणु ऊर्जा
 5. भूतापीय ऊर्जा

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. एक देश के तीन परिवारों की आय क्रमशः 3500 रु., 6000 रु. है तो तीसरे परिवार की आय क्या है?

उ. प्रतिव्यक्ति आय = 5000 रु.

दो परिवारों की कुल आय = 3500 + 6000 = 9500 रु.

माना तीसरे परिवार की आय = x रु.

तीनों परिवारों की कुल आय = 9500 + x

$$\text{प्रति व्यक्ति आय} = \frac{\text{कुल आय}}{\text{परिवारों की संख्या}}$$

शेखावाटी मिशन-100

$$5000 = \frac{9500 + x}{3}$$

x = 15000 – 9500 x = 5500 रु.

अतः तीसरे परिवार की आय = 5500 रु.

2. विकास की धारणीता से आप क्या समझते हैं?

उ. विकास की धारणीयता का आशय विकास के स्तर को और ऊंचा उठाने तथा वर्तमान विकास के स्तर को भावी पीढ़ी हेतु बनो रखने से है अतः धारणीता का विषय विकास के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसके बिना विकास अधूरा है इसमें भावी पीढ़ी की उत्पादकता को हानि पहुंचो बिना वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को संतुष्ट करने पर बल दिया जाता है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है। अतः यह देश की भावी उन्नति के लिए आवश्यक है।

3. राष्ट्रीय विकास क्या है? राष्ट्री विकास के अन्तर्गत किन–किन पक्षों को सम्मिलित किया गया है?

उ. राष्ट्रीय विकास – किसी राष्ट्र के आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक विकास को राष्ट्रीय विकास के नाम से जाना जाता है।

राष्ट्रीय विकास के विभिन्न पक्ष – राष्ट्रीय विकास के अन्तर्गत निम्नलिखित पक्ष सम्मिलित है –

(i) राष्ट्रीय विकास के अन्तर्गत केवल उन्ही कार्यक्रमों एवं नीतियों को लागू किया जाता है, जिनसे अधिकतम लोगों को लाभ है।

(ii) राष्ट्रीय विकास के अन्तर्गत विचारों की भिन्नता एवं उनके समाधान के बारे में निर्णय लेना बहुत महत्वपूर्ण है।

(iii) राष्ट्रीय विकास के अन्तर्गत सरकार यह निर्णय लेती है कि विकास का कौनसा मार्ग न्याय संगत एवं सही है।

(iv) विकास के बेहतर तरीकों को काम में लिया जाता है।

4. ''मानव विकास के लिए प्रति व्यक्ति आय एक उपयोगी मापदण्ड नहीं है''। इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।

उ. मानव विकास को केवल प्रति व्यक्ति आय से ज्ञात नहीं कर सकते है क्यों कि –

(i) शिक्षा का स्तर, स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर, निर्धनता, सामाजिक सुविधाएं आदि भी मानव विकास के महत्वपूर्ण निर्धारक है। उदाहरण के लिए भारत के हरियाणा राज्य की प्रति व्यक्ति आय केरल राज्स से अधिक होते हुए भी मानव विकास का स्तर केरल से कम है। केरल में लिंगानुपात एवं सामाजिक सुविधाएं हरियाणा से अधिक है।

5. ''एक के लिए जो विकास है वह दूसरे के लिए विकास न भी है।'' उक्त कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उ. एक के लिए जो विकास है जरुरी नहीं वह दूसरे के लिए भी विकास से क्यों कि –

– एक व्यापारी अपनी वस्तुओं को ऊंची कीमतों पर बेचना चाहता है परन्तु एक गरीब व्यक्ति उसे कम कीमत पर खरीदना चाहता है।

– एक मजदूर अधिक मजदूरी चाहता है परन्तु एक उद्योगपति के लिए ठीक नहीं हो सकता।

– परिवहन को सुगम बनाने के लिए चौड़े रोड़, परिवहन के साधन अच्छे होते है परन्तु चौड़े रोड़ बनाने से गरीब किसानों की कृषि योग्य भूमि में कमी आ जाती है।

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

पाठ – 2 भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

अंक – 5

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 अंक (2 प्रश्न)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)

बहुविकल्पी प्रश्न –

निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प का चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए –

1. उद्योगों को किस क्षेत्रक में सम्मिलित किया जाता है –
   (a) प्राथमिक क्षेत्रक (b) तृतीयक क्षेत्रक
   (c) द्वितीयक क्षेत्रक (d) चर्तुथक क्षेत्रक Ans (c)
2. महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी अधिनियम कब बनाया –
   (a) 2002 (b) 2005
   (c) 2007 (d) 2009 Ans (b)
3. निम्न में से प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधि नहीं है –
   (a) कृषि (b) मत्स्य पालन
   (c) संचार (d) डेयरी Ans (c)
4. तृतीयक क्षेत्र की क्रिया नहीं है –
   (a) संचार (b) परिवहन
   (c) बैंकिंग (d) उद्योग Ans (a)
5. कपास से कपड़ा बनाना कौनसे क्षेत्र की क्रियाविधि/गतिविधि –
   (a) द्वितीयक (b) प्राथमिक
   (c) चतुर्थक (d) तृतीयक Ans (a)
6. भारत में सबसे अधिक संख्या में लोग किस क्षेत्र में कार्यरत है –
   (a) प्राथमिक (b) द्वितीयक
   (c) तृतीयक (d) चतुर्थक Ans (a)
7. निम्न में से सार्वजनिक क्षेत्रक का उदाहरण नहीं है –
   (a) डाकघर (b) रेलवे
   (c) टिक्को (d) कोई नहीं Ans (a)
8. अल्पबेरोजगारी अधिकांशतः पायी जाती है–
   (a) उद्योगों में (b) चिकित्सा क्षेत्र
   (c) कृषि (d) बैंकिंग में Ans (c)

शेखावाटी मिशन-100

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. कपड़ा एक .... उत्पाद है। (विनिर्मित)
2. प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों की गतिविधियां .... है। (परस्पर निर्भर)
3. तृतीयक क्षेत्रक को .... कहा जाता है। (सेवा क्षेत्र)
4. भारत में बड़े अनुपात में श्रमिक .... क्षेत्रक में काम कर रहे हैं। (असंगठित)
5. अल्प बेरोजगारी .... क्षेत्रक में अधिक है। (कृषि)
6. किसी देश के भीतर किसी विशेष वर्ष में उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य ...... कहलाता है। (सकल घरेलू उत्पाद)

अतिलघुत्रात्मक प्रश्न –

1. प्राथमिक क्षेत्रक किसे कहते हैं?

उ. जब प्राथमिक संसाधनों का उपयोग करके किसी वस्तु का उत्पादन किया जाता है तो इसे प्राथमिक क्षेत्रक कहते है। जैसे – कृषि, मत्स्य, खनन, डेयरी आदि।

2. द्वितीयक क्षेत्रक किसे कहते हैं?

उ. जब प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली के द्वारा अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है तो इसे द्वितीयक क्षेत्रक कहते हैं। जैसे – उद्योग।

3. तृतीयक क्षेत्रक किसे कहते हैं?

उ. तृतीयक क्षेत्रक में वस्तुओं का उत्पादन नहीं होता है इसमें सेवाओं का सृजन किया जाता है। इसे सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है। जैसे– परिवहन, व्यापार, बैंकिंग, संचार आदि।

4. सकल घरेलू उत्पाद किसे कहते हैं?

उ. किसी देश में किसी विशेष वर्ग में उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य सकल घरेलू उत्पाद कहलाता है।

5. सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रक में अन्तर लिखिए।

उ. सार्वजनिक क्षेत्रक का उद्देश्य जनकल्याण करता होता है जिसका स्वामित्व सरकार के पास होता है जबकि निजी क्षेत्रक का उद्देश्य लाभ कमाना होता है और इसका स्वामित्व निजी उद्यमियों के पास होता है।

6. संगठित क्षेत्रक एवं असंगठित क्षेत्रक में अंतर लिखिए।

उ. संगठित क्षेत्रक में रोजगार अवधि नियमित होती है तथा सरकारी नियमों एवं विनिमयों का अनुपालन होता है जबकि असंगठित क्षेत्रक में सरकारी नियंत्रण नहीं होता है श्रमिक का कार्य करने का समय निश्चित नहीं होता है तथा उनका शोषण होता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अल्प या प्रछन्न बेरोजगारी से क्या अभिप्राय है? इसे दूर करने के उपाय लिखिए।

उ. बेरोजगारी की वह स्थिति जिसमें लोग प्रत्यक्ष रूप से काम करते परन्तु उनमें किसी को भी क्षमता के अनुसार पूर्ण रोजगार प्राप्त नहीं होता है, इसे अल्प या प्रछन्न या छिपी बेरोजगारी कहते है।

बेरोजगारी दूर करने के उपाय –

(i) कृषि क्षेत्र में रोजगार के नये अवसरों में वृद्धि करना।

(ii) अर्द्ध–ग्रामीण क्षेत्र में उद्योगों व सेवाओं में वृद्धि करना।

(iii) किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करना।

(iv) सार्वजनिक क्षेत्रकों में रोजगार कार्यक्रमों एवं योजनाओं का विस्तार करना।

2. असंगठित क्षेत्रक की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

उ. असंगठित क्षेत्रक की विशेषताएं–

(i) असंगठित क्षेत्रक पर सरकार का नियंत्रण नहीं होता है।

(ii) श्रमिकों के संरक्षण हेतु सरकारी नियमों का पालन नहीं होता है।

(iii) इस क्षेत्र में उत्पादन इकाइयां छोटी–छोटी एवं बिखरी हुई होती है।

(iv) इस क्षेत्रक में सेवा–शर्तों कार्य अवधि अन्य लाभ का अभाव होता है।

(v) श्रमिकों की मजदूरी कम एंव रोजगार अनियमित होता है।

3. सार्वजनिक क्षेत्र की आवश्यकता क्यों हैं?

उ. सार्वजनिक क्षेत्र अतिआवश्यक है क्योंकि –

(i) सार्वजनिक क्षेत्र में चलाई जाने वाली समाज कल्याण योजनाएं देश के विकास के लिए आवश्यक है।

(ii) देश में गरीबी एवं बेरोजगारी दूर करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र आवश्यक है।

(iii) सार्वजनिक क्षेत्रों में भारी पूंजी होता है जिससे पूंजी निर्माण की दर तीव्र होती है।

(iv) सड़कों, पुलों, रेलवे, बिजली, बांध आदि का निर्माण कर ढ़ांचागत विकास तथा सिंचाई क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र विशेष योगदान होता है।

4. प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक क्षेत्र परस्पर किस प्रकार निर्भर है?

उ. अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्र परस्पर एक दूसरे पर निर्भर होते हैं प्रत्येक क्षेत्र का विकास अन्य क्षेत्र पर निर्भर है क्योंकि प्रत्येक क्षेत्रक अन्य क्षेत्रक को वस्तुएं अथवा सेवाएं बेचता है तथा अपने स्वयं की जरुरत की सेवाएं अथवा वस्तुएं अन्य क्षेत्रक से खरीदता है।

5. ''एक के लिए जो विकास है वह दूसरे के लिए विकास न भी है।'' उक्त कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उ. – एक के लिए जो विकास है जरुरी नहीं वह दूसरे के लिए भी विकास से क्योंकि –

– एक व्यापारी अपनी वस्तुओं को ऊंची कीमतों पर बेचना चाहता है, परन्तु एक गरीब व्यक्ति उसे कम कीमत पर खरीदना चाहता है।

– एक मजदूरी अधिक चाहता है परन्तु एक उद्योगपति के लिए ठीक नहीं हो सकता।

– परिवहन को सुगम बनाने के लिए चौड़े रोड़, परिवहन के साधन अच्छे होते हैं, परन्तु चौड़े रोड़ बनाने से गरीब किसानों की कृषि योग्य भूमि में कमी आ जाती है।

स्मरणीय बिन्दु –

* म.गां.ग्रा.रो.गा.अ. – महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनिम–2005
* भारत में 05–29 वर्ष आयु वर्ग का जनसंख्या प्रतिशत = 60%
* सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक योगदान (भारत) = तृतीयक क्षेत्रक का
* भारत में सर्वाधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्रक = प्राथमिक क्षेत्रक
* खुली बेरोजगारी – इस प्रकार की बेरोजगारी में लोगों के पास रोजगार नहीं होता है, प्रायः शहरी क्षेत्रों में यह अधिक पायी जाती है।
* मध्यवर्ती वस्तुएं – ऐसी वस्तुएं जिन्हें अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में काम में लिया जाता है।
* विकसित देशों की जी.डी.पी. में सर्वाधिक योगदान होता है = तृतीयक क्षेत्रक का

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

पाठ – 3 मुद्रा एवं साख

अंक – 5

अंक विभाजन –

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न – 3 अंक (1 प्रश्न)

नोट :– प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. भारत में औपचारिक क्षेत्रक में साख के किन्ही दो स्त्रोतों की व्याख्या कीजिये।

उ. भारत में औपचारिक क्षेत्रक में साख के दो स्रोत निम्न है –

(i) बैंक – बैंक द्वारा लोगों को लम्बे समय तक कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

(ii) सहकारी समितियां – सहकारी समितियाँ कम ब्याज दरों पर कृषि कार्य हेतू तथा अन्य प्रकार के कार्यों के लिए ऋण उपलब्ध कराती है।

2. बैंक की आवश्यकता हमें क्यों है? बैंकर किस प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध करवाते हैं?

उ. बैंक की आवश्यकता – बैंक बचत के लिए तथा लोगों के धन को सुरक्षित रखने तथा उस पर ब्याज देने की दृष्टि से आवश्यक हैं।

– बैंक लोगों को आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध करवाते हैं।

– बैंक देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

बैंकर की सेवायें – बैंकर चेक के माध्यम से साख तथा ऋण सुविधाएँ उपलब्ध कराते हैं। आधुनिक समय में बैंक अन्य भी कई प्रकार की सेवाएँ प्रदान करते हैं।

3. क्या कारण है कि बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते ?

उ. कुछ कर्जदारों के पास समर्थक ऋणाधारा नहीं होता तथा उनकी ऋण चुकाने की क्षमता भी कम होती है तथा जिन कर्जदारों ने अपने पुराने कर्ज का भुगतान नहीं किया है, बैंक ऐसे लोगों को ऋण नहीं देता है।

4. मुद्रा क्या है? आधुनिक भारतीय मुद्रा की किन्ही तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उ. मुद्रा से अभिप्राय उस वस्तु से है जिसका सामान्य विनिमय के माध्यम के रूप में उपयोग किया जाता है।

भारतीय मुद्रा की विशेषताएं –

(i) भारत में आधुनिक मुद्रा करेंसी कागज के नोट व सिक्के हैं।

(ii) भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय मुद्रा जारी करती है।

(iii) भारत में मुद्रा सौद्धों के लिए अधिकृत है।

5. मुद्रा के कार्यो को स्पष्ट कीजिये।

उ. (i) मुद्रा मूल्य के माप का कार्य करती है। मुद्रा के रूप में विभिन वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य का निर्धारण किया जाता है।

(ii) मुद्रा के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं का विनिमय आसानी से हो जाता है।

6. हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्त्रोतों को बढ़ाने की जरूरत क्यों है समझाइये।

उ. देश में औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों स्त्रोतों से ऋण उपलब्ध करवाया जाता है, किन्तु अनौपचारिक स्त्रोतों द्वारा ऋण प्रदान करने के अनेक दोष हैं।

शेखावाटी मिशन-100

– अनौपचारिक स्रोतों द्वारा ऊंची दर पर ऋण दिये जाते हैं, तथा कई तरीकों से लोगों का शोषण किया जाता है।

– अनौपचारिक स्रोतों से ऋण लेकर लोग जाल में फंस जाते है, जबकि औपचारिक स्रोतों द्वारा कम ब्याज दर पर तथा आसा शर्तों पर ऋण उपलब्ध करवाया जाता है।

– अतः देश में औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की जरूरत है।

7. सहकारी समितियाँ क्या होती है? ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों की गतिविधियाँ बढ़ाने हेतु कोई दो सुझाव दीजिए।

उ. सहकारी समिति – वे लोग जो कुछ सामान्य उद्देश्यों पर एक साथ मिल–जुलकर कार्य करने के लिए एक समिति का गठन कर लेते हैं, जिसे सहकारी समिति कहते है।

सुझाव –

(i) बैंकों द्वारा सहकारी समितियों को सस्ती दर पर ऋण प्रदान करना।

(ii) सहकारी समितियों द्वारा अपने सदस्यों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराना।

8. ''मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की आवश्यकता को समाप्त कर देती है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

उ. आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्या को हम निम्न उदाहरण द्वारा समझ सकते हैं– यदि किसी व्यक्ति के पास कपास है तथा उसे यदि गेहूँ की आवश्यकता है तो उस व्यक्ति को ऐसे व्यक्ति को खोजना पड़ेगा जिसके पास गेहूँ हैं तथा उसे कपास की आवश्यकता है। व्यावहारिक जीवन में ऐसे दोहरे संयोग मिलना अत्यन्त कठिन है। मुद्रा द्वारा उस समस्या का समाधान किया जा सकता हैं, क्योंकि मुद्रा द्वारा सभी वस्तुओं तथा सेवाओं की विनिमय दर निर्धारित होती है अतः कोई भी व्यक्ति अपनी वस्तु बेचकर मुद्रा प्राप्त कर उस मुद्रा से अन्य वस्तु क्रय कर सकता है।

9. ऋण के औपचारिक स्रोत से आप क्या समझते हैं?

उ. ऋण के औपचारिक स्रोत में व्यापारिक बैंक, सहकारी समितियों, ग्रामीण बैंक आदि से शामिल किया जाता है।

– इन स्रोतों द्वारा कम ब्याज दर पर आसान शर्तों पर लाभ लम्बे समय तक ऋण उपलब्ध करवाया जाता है।

10. ऋण के अनौपचारिक स्रोतों से आप क्या समझते हैं?

उ. ऋण के अनौपचारिक स्रोतों में साहूकार, महाजन, बड़े कृषकों, व्यापारियों, रिश्तेदारों, मित्रों, जानकारों आदि को शामिल किया जाता है। प्रायः अनौपचारिक स्रोतों लोगों को ऊंची ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाया जाता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न –

नोट – प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

11. ''स्वयं सहायता समूह ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों को संगठित करने में मदद करते है।'' अपने तर्क दीजिए।

उ. – स्वयं सहायता समूह के पीछे मूल विचार है – ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों तथा महिलाओं को छोट–छोटे सहायता समूहों में संगठित करना तथा उनकी बचत पूंजी को एकत्रित कर उसके ही सदस्यों को आसान शर्तों पर ऋण प्रदान करना जिस पर उन्हें बहुत कम ब्याज देना पड़ता है।

– स्वयं सहायता समूह ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों को संगठित करने में मदद करते हैं।

– इससे न केवल महिलाएं आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो जाती है, बल्कि समूह की नियमित बैठकों के जरिए लोगों को एक आम मंच मिलता है।

– जहां वह तरह–तरह के सामाजिक विषयों जैसे, स्वास्थ्य, पोषण और घरेलू हिंसा इत्यादि पर आपस में चर्चा कर पाती है।

12. आपके मतानुसार वस्तु विनिमय प्रणाली और मौद्रिक विनिमय प्रणाली में कौनसी प्रणाली श्रेष्ठ है और क्यों?

उ. हमारे मतानुसार मौद्रिक प्रणाली श्रेष्ठ है क्योंकि –

– मौद्रिक प्रणाली में मुद्रा का विनिमय किसी भी वस्तु या सेवा खरीदने के लिए आसानी से किया जा सकता है।

शेखावाटी मिशन-100

– जैसे – एक जूता निर्माता बाजार में जूता बेचकर गेहूं खरीदना चाहता है तो जूतों के बदले मुद्रा प्राप्त करेगा और फिर इस मुद्रा का इस्तेमाल गेहूं खरीदने के लिए करेगा।

– दूसरी तरफ वस्तु विनिमय प्रणाली में मुद्रा का उपयोग किये बिना वस्तुओं का विनिमय होता है तो वहां आवश्यकताओं का दोहरा संयोग होना आवश्यक है।

– मुद्रा विनिमय प्रणाली में मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे संयोग को खत्म कर देती है और विनिमय को आसान कर देती है।

– मुद्रा विनिमय प्रणाली में वस्तुओं का संग्रह मुद्रा के रूप में आसानी से किया जा सकता है।

– अतः स्पष्ट है कि विनिमय की मौद्रिक प्रणाली वस्तु – विनिमय प्रणाली से श्रेष्ठ है।

13. भारतीय रिजर्व बैंक अन्य बैंकों की गतिविधियों पर किस तरह नजर रखता है? यह जरूरी क्यों?

उ. भारतीय रिजर्व बैंक अपनी मौद्रिक नीति के माध्यम से अन्य बैंको की गतिविधियों पर नजर रखता है।

– रिजर्व बैंक, बैंक दर, न्यूनतम कोषानुपात, रेपो दर आदि निर्धारित करता है।

– इसके माध्यम से अर्थव्यवस्था में मुद्रा पर नियंत्रण रखता है।

– यह इसलिए जरूरी है – देश में मुद्रा एवं साख की मात्रा में संतुलन बना रहता है।

– नियंत्रण के अभाव में बैंक अपनी मनमानी करने लगेंगे तथा अधिक लाभ लेने हेतु लोगों का शोषण करेंगे।

– अतः अन्य बैकों एवं वित्तीय संस्थाओं पर रिजर्व बैंक का नियंत्रण आवश्यक है।

14. भारत में करेंसी नोट कौन जारी करता है? बैंकों के कार्य बताइए।

उ. भारत में करेंसी नोट भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) जारी करता है।

बैंकों के कार्य –

– भारत में बैंकों के प्रमुख कार्य निम्न प्रकार है –

1. जमा राशि का स्वीकार करना – बैंकों द्वारा लोगों की राशि को बचत खाते, चालू खाते तथा सावधि जमा के माध्यम से स्वीकार किा जाता है।

2. ऋण प्रदान करना – बैंकों द्वारा लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऋण प्रदान किया जाता है।

3. साख निर्माण – बैंकों द्वारा लोगों की जमा राशि को अन्य लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऋण के रूप में प्रदान की जाती है। इससे सीमित मुद्रा से ही देश में कई गुणा साख का निर्माण हो जाता है।

4. कोष का हस्तांतरण – बैंकें चैक ड्राफ्ट, क्रेडिट कार्ड, कैश ऑर्डर आदि की सहायता से लोगों के खाते में मुद्रा का हस्तांतरण करते है, जिससे व्यक्तियों को नकद भुगतान की चिंता नहीं रहती है।

15. शहरी गरीबों व अमीरों के ऋणों में औपचारिक व अनौपचारिक साख के योगदान की तुलना कीजिए। औपचारिक क्षेत्र के ऋणों के सृजन में भागीदारी बढ़ाने हेतु कोई दो सुझाव दीजिए।

उ. **तुलना –**

1. औपचारिक की तुलना में अनौपचारिक क्षेत्रक के ज्यादातर ऋणदाता कहीं अधिक ब्याज वसूलते है।

2. अनौपचारिक स्रोतों से ऋण लेना कर्ज लेने वाले को अधिक महंगा पड़ता है।

3. शहरी गरीबों की कर्जो की 85 प्रतिशत जरुरते अनौपचारिक स्रोतों से पूरी होती है, जबकि शहरी अमीरों के केवल 10 प्रतिशत कर्ज ही औपचारिक स्रोतों से पूरे होते हैं।

सुझाव –

1. गरीबों को, विशेषकर महिलाओं को छोटे–छोटे स्वयं सहायता समूहों में संगठित करके, उनकी बचत पूंजी को एकत्रित करके, एक–दो वर्ष बाद यह समूह बैंक से ऋण लेने के योग्य हो जाता है। जिससे यह समूह बैंक से ऋण लेकर उसे अपने समूह के सदस्यों को उचित ब्याज पर कर्ज दे सकता है।

2. औपचारिक क्षेत्र के कुल ऋणों में वृद्धि हो तथा बैंकों व सहकारी समितियों आदि से गरीबों को मिलने वाले औपचारिक ऋण का हिस्सा बढ़ाना चाहिए।

16. एक अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

उ. – विनिमय में मुद्रा की भूमिका
– व्यापार में मुद्रा की भूमिका
– बजट निर्माण में मुद्रा की भूमिका
– राष्ट्रीय आय के मापन में मुद्रा की भूमिका
– उत्पादन में मुद्रा की भूमिका

शेखावाटी मिशन-100

शेखावाटी मिशन – 100 (सामाजिक विज्ञान)

पाठ – 4 वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

अंक – 5

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 अंक (2 प्रश्न)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – 1 अंक (1 प्रश्न)

लघुत्तरात्मक प्रश्न – 2 अंक (1 प्रश्न)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है –
   (a) उदारीकरण (b) निजीकरण
   (c) राष्ट्रीयकरण (d) वैश्वीकरण Ans (d)
2. फोर्ड मोटर्स कम्पनी किस देश की बहुराष्ट्रीय कम्पनी है –
   (a) भारत (b) चीन
   (c) अमेरिका (d) कोरिया Ans (c)
3. एक ऐसा संगठन जिसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना है –
   (a) विश्व स्वास्थ्य संगठन (b) विश्व व्यापार संगठन
   (c) संयुक्त राष्ट्र संघ (d) ये सभी Ans (b)
4. बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किए गए निवेश को क्या कहते है –
   (a) उत्पादन (b) व्यय
   (c) वितरण (d) विदेशी निवेश Ans (d)
5. विश्व के देशों में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निवेश का सबसे अधिक सामान्य मार्ग है –
   (a) नए कारखानों की स्थापना करना (b) स्थानीय कम्पनियों को खरीद लेना
   (c) स्थानीय कम्पनियों से साझेदारी करना (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं Ans (b)
6. वैश्वीकरण और प्रतिस्पर्धा के दबाव में सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं –
   (a) वस्त्र निर्यातक (b) श्रमिक
   (c) धनी वर्ग (d) बहुराष्ट्रीय कम्पनी Ans (b)
7. वैश्वीकरण ने जीवन स्तर के सुधार में सहायता पहुंचाई है –
   (a) सभी लोगों के (b) विकसित देशों के लोगों के
   (c) विकासशील देशों के श्रमिकों के (d) इनमें से कोई नहीं Ans (b)
8. कारगिल फूड्स किस देश की बहुराष्ट्रीय कम्पनी है –
   (a) अमेरिका (b) भारत
   (c) फ्रांस (d) कनाडा Ans (a)

शेखावाटी मिशन-100

9. सरकार द्वारा अवरोधों (प्रतिबंधों) को हटाने की प्रक्रिया है –

(a) नगरीकरण (b) उदारीकरण

(c) स्थानीयकरण (d) समाजीकरण Ans (b)

10. तत्काल इलेक्ट्रॉनिक मेल (ई–मेल) किसके द्वारा भेजी जा सकती है?

(a) वायु परिवहन द्वारा (b) डाकघर द्वारा

(c) इंटरनेट द्वारा (d) फैक्स द्वारा Ans (c)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. परिसम्पतियों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा .... कहलाती है। (निवेश)
2. देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ना .... कहलाता है। (वैश्वीकरण)
3. .... का मुख्य उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तौर–तरीकों को सरल बनाना है। (विश्व व्यापार संगठन)
4. आयात पर कर .... का एक उदाहरण है। (व्यापार अवरोधक)
5. बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के उद्भव के पश्चात .... विश्वस्तर पर होने लगा। (व्यापार)
6. बहुराष्ट्रीय कम्पनियां .... की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभा रही है। (वैश्वीकरण)
7. वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित करने वाला मुख्य कारक .... है। (प्रौद्योगिकी)
8. भारत सरकार द्वारा .... से विदेशी व्यापार व विदेशी निवेश पर से अधिकांश, अवरोधों को हटा दिया गया है। (सन् 1991)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. विदेशी निवेश किसे कहा जाता है?

उ. बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किए गए निवेश को विदेशी निवेश कहा जाता है।

2. विदेशी व्यापार से आप क्या समझते है।

उ. दो या दो से अधिक देशों के मध्य होने वाले व्यापार का विदेशी व्यापार कहते है।

3. उदारीकरण का क्या अभिप्राय है?

उ. सरकार द्वारा व्यापार एवं निवेश पर से अवरोधों को हटाने की प्रक्रिया को हटाने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहा जाता है।

4. वैश्वीकरण से आप क्या समझते है?

उ. विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है।

5. वैश्वीकरण से भारत को होने वाली एक हानि बताइए।

उ. वैश्वीकरण से भारत के लघु एवं कुटीर उद्योगों का पतन हुआ।

6. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना क्यों की गई है?

उ. सदस्य देशों के बीच व्यापार करने के लिए विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना की गई है।

7. निजीकरण को परिभाषित कीजिए।

उ. सरकार द्वारा निजी क्षेत्र से नियंत्रण हटाकर उन्हें जरूरी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र करना।

8. सरकारें व्यापार अवरोधक का प्रयोग किसलिए कर सकती हैं?

उ. सरकारें व्यापार अवरोधक का प्रयोग विदेशी व्यापार में वृद्धि या कटौती करने और देश में किस प्रकार की वस्तुएं कितनी मात्रा में आयात होनी चाहिए, यह निर्णय करने के लिए कर सकती है।

शुभाशीष मिशन-100

9. वैश्वीकरण की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका कौन निभा रहा है?

उ. बहुराष्ट्रीय कम्पनियां वैश्वीकरण की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभा रहा है

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बहुराष्ट्री कम्पनियां अन्य देशों में निवेश करने से पूर्व किन बातों को ध्यान में रखती हैं?

उ. – बाजार की निकटता का
– कम लागत पर कुशल व अकुशल श्रम की उपलब्धता का
– उत्पादन के अन्य कारकों की उपलब्धता का
– उस देश की सरकारी नीतियों का

2. बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से आप क्या समझते है? इनके क्या उद्देश्य होते हैं?

उ. ऐसी कम्पनियां जिनका व्यवसाय एक से अधिक देशों में होता है।
उद्देश्य – अपने व्यापार का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर अधिक से अधिक लाभ कमाना होता है।

3. बहुराष्ट्रीय कम्पनियां विदेशों में किस तरह से निवेश करती हैं?

उ. बहुराष्ट्रीय कम्पनियां विदेशों में कई तरह से निवेश करती है –
– वे सीधे कारखानों की स्थापना कर सकती है।
– वे स्थानीय कम्पनियों को खरीद सकती है।
– कई बार स्थानीय कम्पनियों से साथ संयुक्त रूप से उत्पादन करती है।

4. भारती अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के क्या प्रभाव पड़े? समझाइये।

उ. भारती अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के निम्नलिखित प्रभाव पड़े –
– बड़े उद्योगों को विस्तार का अवसर मिला।
– उपभोक्ताओं को कम कीमत पर अधिक गुणवता की वस्तुओं की उपलब्धता।
– बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के आगमन से रोजगार के अवसर सृजित हुये।
– देश के छोटे एवं कुटीर उद्योंगों का पतन।
– श्रमिकों के हितों का संरक्षण नहीं हो पाया।

5. वे कौनसे विभिन्न तरीके हैं, जिनके द्वारा देशों को परस्पर संबंधित किया जा सकता हैं?

उ. – विभिन्न देशों के बीच लोगों के आवागमन द्वारा।
– वस्तुओं और सेवाओं का आदान–प्रदान करके।
– विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश द्वारा।
– सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी द्वारा।

6. "वैश्वीकरण और उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा से उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है।" इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।

उ. उपभोक्ताओं को निम्न लाभ हुए है –
– उपभोक्ता अब अच्छी गुणवता वाली वस्तुएं कम कीमत पर खरीद सकते है।
– उपभोक्ताओं की वस्तुओं और सेवाओं के बेहतर विकल्पों में वृद्धि हुई है।
– उपभोक्ताओं के जीवन–स्तर में वृद्धि हुई है।
– प्रतिस्पर्धा के कारण उत्पादक उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवा रहे हैं।

शुभवाटी मिशन-100

7. भारत सरकार द्वारा विदेशी व्यापार पर अवरोधक लगाने के किन्ही दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

उ. भारत सरकार द्वारा विदेशी व्यापार पर अवरोधक लगाने के दो कारण निम्नलिखित है –

– विदेशी प्रतिस्पर्धा से देश में उत्पादों की रक्षा करने के लिए।

– 1950–60 के दशक में भारतीय उद्योग अपनी प्रारम्भिक अवस्था में थे, तो आयातों से प्रतिस्पर्धा इन उद्योगों को बढ़ने नहीं देती। अतः इन उद्योगों का संरक्षण करने के लिए अवरोधक लगाये गये।

शेखावाटी मिशन-100

AAYAAM
CAREER ACADEMY
A NEW DIMENSION OF 'SUCCESS'
NEET | XI & XII FOUNDATION

पंखो को खोल
ज़माना सिर्फ
उड़ान
देखता है

Admission Open
Session 2022-23

NEET

XI & XII
FOUNDATION

Result: NEET 2020

131+ विद्यार्थियों का सरकारी मेडिकल कॉलेज में चयन !

AIR
67

JITENDRA KUMAWAT
S/o SURENDRA KUMAR
PALSANA

MAULANA AZAD GOVT. MEDICAL COLLEGE, DELHI

AIR
197

MANOJ KUMAR
S/o BABU LAL VERMA
PALSANA

AIIMS JDHPUR

Result: NEET 2021

उत्कृष्ट परिणाम के लिए
आयाम
ही सर्वोपरी संस्थान

एक बार फिर आयाम ने
साबित की अपनी श्रेष्ठता....

AIR
190
(OBC)

SAKSHAM YADAV
S/O RAJENDRA YADAV
Neem Ka Thana

Result: NEET 2021

सीकर में अनुपात की दृष्टि से सबसे ज्यादा सलेक्शन देने वाला संस्थान!

100+ विद्यार्थियों का सरकारी मेडिकल कॉलेज में चयन संभावित !

AIR 215 (OBC)

RAGHUVEER YADAV
S/o SITA RAM YADAV
Chhapoli, Udaipurwati

AIR 435 (SC)

RAJESH
S/o CHHOTU RAM
Tibbi, Hanumangarh

AIR 470 (OBC)

NISHANT BAGARIA
S/o SAGAR BAGARIA
Malikpur, Khandela

AIR 665 (OBC)

MANISH YADAV
S/o Sh. ARJUN LAL YADAV
Amber, Jaipur

AIR 689 (ST)

POOJA KUMARI
D/o Sh. SHANKAR LAL
Lisadiya, Shrimadhopur

AIR 789 (OBC)

ARJUN YADAV
S/o Sh. GOPAL LAL YADAV
Nathi Ka Bas, Renwal

AIR 828 (SC)

HIMANSHU KUMARI
D/o Sh. RAMESH KUMAR
Singrawat Khurd, Didwana

AIR 902 (OBC)

GAYATRI SIDDH
D/o Sh. SAWANT RAM
Napasar, Bikaner

AIR 940 (OBC)

NEETU
D/o Sh. BHOLA RAM
Mathandi, Shrimadhopur

AIR 1477 (SC)

YASHWANT VERMA
S/o Sh. GANPAT LAL
Kadiya Seema, Rajsamand

AIR 1585 (OBC)

DEVENDRA KUMAR
S/o Sh. RAMAVATAR
Jalpali, Shrimadhopur

AIR 1619 (OBC)

RAVI SAINI
S/o Sh. CHIRANJI LAL SAINI
Thanagazi, Alwar

AIR 1621 (OBC)

ABHAY SINGH
S/o Sh. SAGAR SINGH
Kotri Dhayalan, Reengus

AIR 1841 (GEN.)

DEVISHI SHARMA
D/o Sh. JAIPRAKASH SHARMA
Karad, Dantaramgarh

AIR 1977 (GEN.)

RAHUL SHARMA
S/o Sh.OMPRAKASH
Amber,Jaipur

AIR 2062 (SC)

BABU LAL NAYAK
S/o Sh. TAKA RAM
Pogal, Bikaner

AIR 2144 (GEN.)

RAHUL SHARMA
S/o Sh. NANU RAM SHARMA
Jorpura, Renwal

AIR 2330 (OBC)

SURENDER MOOND
S/o Sh. NARSA RAM
Ranisar, Bikaner

AIR 2338 (OBC)

RISHI YADAV
S/o Sh. SHIVPAL YADAV
Gopalpura, Ajitgarh

AIR 2505 (GEN.)

POOJA SHARMA
D/o SH. PAWAN KUMAR
Sari, Chirawa

AIR 2905 (GEN.)

ARBAZ KHAN
S/o SAMSHER KHAN
Mangloona, Laxmangarh

AIR 3104 (OBC)

OM PRAKASH
S/o Sh. SANWALA RAM
Bhedana, Barmer

AIR 3240 (OBC)

RAHUL KUMAWAT
S/o Sh. BABU LAL KUMAWAT
Alisar, Badi Dhani, Chomu

AIR 3355 (OBC)

ARYAN JANGIR
S/o Sh. SANJAY JANGIR
Udaipurwati, Jhunjhunu

AIR 3381 (OBC)

SAROJ GEELA
D/o Sh. JALU RAM GEELA
Geelon Ki Dhani, Lamiya

AIR 3626 (OBC)

AJAY KUMAR KURI
S/o Sh. GOPAL SINGH
Panawali Dhani, Kasarda

AIR 4228 (OBC)

ROSHAN KUMAR
S/o Sh. MANOHAR LAL
Jharli, Thoi

AIR 4285 (OBC)

SANGHARSH KUMAR
S/o Sh. MURARI LAL SAMOTA
Patwari ka Bas, Shrimadhopur

AIR 4551 (OBC)

RAHUL KUMAR
S/o Sh. SITA RAM YADAV
Mohanpura, Kishangarh, Renwal

AIR 4656 (OBC)

AKASH SERAWAT
S/o Sh. PHOOL CHAND
Nimadi, Hathnoda, Chomu

AIR 4689 (OBC)

ANITA YADAV
D/o Sh. BALU RAM YADAV
Munduru, Shrimadhopur

AIR 4943 (OBC)

VEENA DORATA
D/o Sh. MAHIPAL DORATA
Dumoli Khurd, Khetri

AIR 4951 (OBC)

RAMESH CHOUDHARY
S/o Sh. BAJRANG LAL
Lunkaransar

AIR 5116 (OBC)

ANIL KUMAR SAINI
S/o Sh. SHIMBHU DAYAL
Shyampura Bansur, Alwar

AIR 5467 (OBC)

ASHISH KUMAWAT
S/o Sh. KRISHNA GOPAL
Palsana

AIR 5658 (OBC)

SANTOSH YADAV
S/o Sh. RAMAWATAR YADAV
Sherpura, Khori, Shahpura

AIR 5730 (OBC)

ROSHAN YADAV
S/o Sh. BANSHIDHAR YADAV
Etawa-Bhopji, Chomu

AIR 5945 (OBC)

ANIL CHOUDHARY
S/o Sh. SITARAM
Bilanderpur, Shahpura

हर बार...लगातार...

Highest Selection Ratio

Session 19-20	131 Selection
Session 18-19	129 Selection
Session 17-18	108 Selection

SUCCESS

AAYAAM
CAREER ACADEMY

A NEW DIMENSION OF 'SUCCESS'

NEET | XI & XII FOUNDATION

01572-244555, 7300335555 PIPRALI ROAD, SIKAR

E-mail: info@aayaamacademy.com Website: www.aayaamacademy.com

FOLLOW US ON SOCIAL MEDIA

You Tube Subscribe to our YouTube Channel AAYAAM ACADEMY, SIKAR

Follow & Like us on Facebook facebook.com/AAYAAMACADEMYSIKAR

Join us on Whatsapp 7300335555